केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 262 | उज्जैन, मंगलवार 03 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

अकड़ इस शब्द में कोई मात्रा नहीं है फिर भी अलग-अलग मात्रा में, सबके पास है..

बड़वानी में आधुनिक सब्जी मंडी से मजबूत होगी कृषि अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

50 एकड़ में स्थापित होगा आदर्श बीज उत्पादन केंद्र

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगोरिया केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आनंद में झूमने का पर्व है। पर्व में महिला और पुरुष समान रूप से कदम से कदम मिलाकर नृत्य करते हैं और पारंपरिक वेशभूषा में लोक संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरते हैं। ताड़ी जैसे पारंपरिक पेय का आनंद भी इस उत्सव का हिस्सा है। जनजातीय संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान और महत्व है। इसी परंपरा को संरक्षित करने के लिये राज्य सरकार ने इस पर्व को राजकीय पर्व का दर्जा देकर इसकी गरिमा को और बढ़ाया गया है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़वानी जिले के जुलवानिया में भगोरिया उत्सव में कही।

बड़वानी के जुलवानिया में भगोरिया हाट में उस समय उल्लास और उमंग का अनूठा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय बंधुओं के भगोरिया उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन से पूरा हाट परिसर उत्साह, रंग और पारंपरिक उल्लास से सराबोर हो गया। जनजातीय संस्कृति की जीवंत छटा से सजे इस पारंपरिक पर्व में मांदल की गूंजती थाप, पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित नर्तक-नर्तकियों की मनमोहक प्रस्तुतियां तथा गुलाल से रंगीन वातावरण ने भगोरिया को और भी आकर्षक बना दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कलाकारों के साथ मांदल की थाप पर कदम मिलाकर उनकी कला और परंपराओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक समृद्धि, उत्सवधर्मिता और जीवन के प्रति आनंदमयी दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्रत्येक मौसम के अनुरूप त्यौहारों की परंपरा रही है, जिससे जीवन में उल्लास और सामूहिकता बनी रहे। पूर्वजों द्वारा स्थापित यह आनंदमयी परंपरा आज भी जीवंत है। सदियों से भगोरिया पर्व इस क्षेत्र में हर्ष, उमंग और लोक जीवन की ऊर्जा का प्रतीक बना हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निमाड़ का क्षेत्र, मां नर्मदा के आशीर्वाद से समृद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल प्रबंधन एवं सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से सूखे खेतों तक पानी पहुंचा है और फसलें लहलहा रही हैं। यहां विविध प्रकार की फसलें, फल और सब्जियों का उत्पादन हो रहा है। प्राकृतिक खेती को भी किसान उत्साहपूर्वक अपना रहे हैं, जिसके कारण बड़वानी जिले के फल एवं सब्जियों की मांग देश-विदेश में बनी हुई है। अब लक्ष्य है कि फसल को खेत से कारखाने तक पहुंचाया जाए और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगोरिया के आनंद और बड़वानी की उन्नत कृषि को सम्मान देने के उद्देश्य से कृषि कैबिनेट का आयोजन किया गया, जिसमें किसान कल्याण वर्ष की पहली कैबिनेट में 27,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के निर्णय लिए गए। किसानों के हित में भावांतर भुगतान योजना में सोयाबीन पर 1,500 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई। लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये 1,500 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर समान अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैबिनेट के साथ पहली बार भीलट देव के दर्शन कर मन आनंदित हुआ। निमाड़ महान संत सिंगाजी, दादा धूनिवाले जैसी विभूतियों की पावन भूमि है, जिन्होंने समरसता और सद्भाव का संदेश दिया। आपसी द्वेष और मतभेद भुलाकर प्रेम और भाईचारे के साथ होली का त्यौहार मनाने का संदेश देते हुए अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़वानी जिले में उद्यानिकी फसलों का रकबा अधिक है। इसके विस्तार के लिये कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग इकाइयों के साथ आधुनिक सब्जी मंडी की स्थापना की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मुफ्त इलाज में कोताही; स्ष्ट का दिल्ली के 51 प्राइवेट अस्पतालों को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज और बेड नहीं देने पर सख्त रुख अपनाते हुए दिल्ली के 51 प्राइवेट अस्पतालों को कंटेम्प्ट नोटिस जारी किया है। सर्वोच्च अदालत ने सरकार और जमीन देने वाली एजेंसियों को इस मामले में लापरवाही बरतने के लिए कड़ी फटकार लगाई है। दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव को इस मामले में नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है ताकि दोषी अस्पतालों और सुस्त अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सके। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि इन अस्पतालों को नोटिस जारी किया जाए। 51 अस्पतालों से पूछा जाए कि सर्वोच्च अदालत के आदेश का उल्लंघन करने के लिए उनके खिलाफ कंटेम्प्ट की कार्रवाई क्यों न की जाए। दिल्ली सरकार की ओर से इन अस्पतालों को दी गई छूट क्यों न वापस ली जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव को ऐसे सभी उपाय और कार्रवाई करने के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त किया। साथ ही नोडल ऑफिसर को उन 51 अस्पतालों को कंटेम्प्ट नोटिस देने का निर्देश दिया गया है जिन्हें रियायती रेट पर सरकारी जमीन दी गई थी। साथ ही DDA, लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस और एमसीडी को नोडल ऑफिसर के साथ सहयोग करने का आदेश दिया गया है। सर्वोच्च अदालत ने 24 फरवरी को दिए अपने आदेश में कहा कि यदि ऊपर बताए गए ऑफिस की तरफ से कोई कमी पाई जाती है तो नोडल ऑफिसर एक्शन लेने के लिए जिम्मेदार होंगे। केस की अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अपने 2018 के एक फैसले की निगरानी के दौरान दिया जिसमें प्राइवेट अस्पतालों को मुफ्त इलाज की भी जिम्मेदारी दी गई थी। इन सभी अस्पतालों को समय-समय पर अनुपालन रिपोर्ट भी देनी थी। दरअसल, अस्पतालों को जमीन देने की शर्त यह थी कि अस्पताल अपने इन-पेशेंट डिपार्टमेंट में 10 फीसदी बेड और OPD में 25 फीसदी सेवा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को देंगे।

कोई भी सूर्यकुमार यादव से आखिरी ओवर डालने की उम्मीद नहीं करता, ऐसा क्यों बोले CJI सूर्यकांत

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश की सर्वोच्च अदालत में फैसले देने वाले भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने क्रिकेट का उदाहरण दिया है। इस दौरान उन्होंने भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम लिया। साथ ही कानून के छात्रों को बताया कि किसी एक क्षेत्र में माहिर होना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसे क्रिकेट खिलाड़ी सभी भूमिकाएं नहीं निभा सकते। वैसे ही वकील भी इस पेशे के हर क्षेत्र में माहिर नहीं बन सकते।

28 फरवरी को गुजरात के गांधीनगर स्थित त्नहरु यानी गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 16वें दीक्षांत समारोह में सीजेआई पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि एक सफल टीम तब बनती है, जब सभी की भूमिकाएं स्पष्ट हों और हर एक व्यक्ति को उनकी ताकत के बारे में पता हो।

उन्होंने कहा कि कोई भी उम्मीद नहीं करता कि डेथ ओवर्स में सूर्य कुमार यादव गेंदबाजी करें। उन्होंने कहा कि कोई उम्मीद नहीं करता कि बल्लेबाजी करते हुए रन चेज करने के दौरान जसप्रीत बुमराह सबसे आगे रहें। ऐसे ही वकीलों को भी धीरे-धीरे उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए, जो उनकी क्षमता है। उन्होंने कहा कि वकीलों को उन ताकतों के इर्द गिर्द ही अपने पहचान बनानी चाहिए।

भारत के प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कानून का पेशा उन लोगों को शायद ही कभी इनाम देता है, जो सभी कामों को बराबर करने की कोशिश करते हैं। बार एंड बेंच के अनुसार, सीजेआई ने कहा, मेरे प्रिय ग्रेजुएट्स, इस पेशे में आप कहां फिट बैठते हैं, यह सवाल खुद से शुरुआत में ही पूछना जरूरी है।

फंडिंग रोकने से लेकर पहचान करने और एक्शन तक... घुसपैठियों के पूरे इकोसिस्टम पर होगा प्रहार; शाह ने दिए निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह देश में अवैध घुसपैठ के पूरे इकोसिस्टम पर प्रहार करने की तैयारी में जुट गए हैं। पिछले दिनों तीन दिनों की बिहार के सीमांचल की यात्रा के दौरान उन्होंने अधिकारियों के इसके स्पष्ट निर्देश दिए।

इसके तहत घुसपैठ के रास्तों की मैपिंग के साथ-साथ इस काम लगे मॉड्यूल पर शिकंजा, उनकी फंडिंग रोकना, अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की पहचान करना और सरकारी जमीनों को उनके अवैध कब्जे से मुक्त कराने जैसे कई कदम एक साथ उठाए जाएंगे।

अमित शाह ने की विस्तृत चर्चा- खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की मौजूदगी में सीमांचल के सातों जिलों के एसपी और डीएम के साथ अमित शाह ने घुसपैठ की समस्या के सभी आयामों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान बिहार के गृह मंत्री व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में घुसपैठ में जुटे संगठित गिरोह के शामिल होने की बात आई। बताया गया कि गिरोह से जुड़े कई लोगों ने अकूत संपत्ति बना ली है। यही नहीं, घुसपैठ के साथ-साथ इलाके में सीमा पार से आने वाले नकली भारतीय करेंसी का धंधा भी चलता है। इलाके के ग्रामीण बैंक की शाखा बहुत बड़ी संख्या में हैं, लेकिन उनमें नोटों की गिनती मशीन नहीं होने के कारण नकली नोट बैंक सिस्टम में खपाए जाते हैं।

अवैध कब्जे के खिलाफ चलेगा अभियान- शाह ने युद्ध स्तर पर ग्रामीण सहित सभी बैंक शाखाओं में नोटों की गिनती मशीन लगाने का निर्देश दिया ताकि उसमें लगे यूवी रे की मदद नकली नोटों की पहचान हो सके। इसके साथ ही उन्होंने पूरे इलाके में हाई वैल्यू की संपत्ति की खरीद-फरोख्त के लिए एसडीओ से लेकर डीएम तक की अनुमति को अनिवार्य करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में सरकारी जमीन पर बड़ी संख्या में अवैध घुसपैठियों के कब्जे और उनपर बड़े निर्माण किये जाने की बात भी सामने आई। शाह ने ऐसी सभी अवैध संपत्तियों की पहचान कर उनके ध्वस्तीकरण का अभियान चलाने को कहा। इसके साथ ही शाह ने ऐसे मतदाताओं के फिजिकल वेरीफिकेशन करने को भी कहा, जिन्हें एसआईआर के दौरान मृत या स्थायी तौर पर दूसरी जगह शिफ्ट हुआ बताया गया है।

अमेरिका और ईरान युद्ध के बीच भारत में अलर्ट, हिंसा की आशंका; चौकसी बढ़ाई गई

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध को लेकर भारत सरकार अलर्ट मोड में है। खबर है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों को ऐहतियात बरतने के लिए पत्र लिखा है। दरअसल, इसमें सांप्रदायिक हिंसा भड़कने की आशंका को लेकर सतर्क रहने की बात कही गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बात भारत में कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए थे।

28 फरवरी को जारी पत्र में चेतावनी दी गई है कि विदेश में हो रहे घटनाक्रमों का असर घर में हो सकता है। इसमें खासतौर से धार्मिक आयोजनों में होने वाली बयानबाजी का जिक्र किया गया है। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि खुफिया जानकारी को तेज़ी से साझा किया जाए और समय रहते कदम उठाए जाएं ताकि कानून-व्यवस्था न बिगड़े। एडवाइजरी में गृह मंत्रालय ने कहा है कि भड़काऊ भाषण देने वाले ईरान समर्थक उपदेशकों की पहचान करने और नजर रखने के लिए कहा गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, दिल्ली में अधिकारी इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का फायदा उठाकर चरमपंथी तत्व स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ा सकते हैं।

ऐसे तो हम भूख-प्यास से मर जाएंगे, भारत के प्रोजेक्ट से घबरा गया पाकिस्तान; सूझ नहीं रहा कोई रास्ता

नई दिल्ली/ जीएनएस। पलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐसे रणनीतिक कदम उठाए हैं जो कि उसकी टेंशन बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। झेलम और चिनाब के बहाव कम करने को लेकर शहबाज सरकार एकदम से बिलबिला गई है। हाल ही में पाकिस्तान में प्रांतीय स्तर की एक बड़ी बैठक हुई और इसमें वॉटर ऐंड पावर डिवेलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन मोहम्मद सईद ने कहा कि भारत झेलम और चिनाब प्रोजेक्ट पर 60 अरब डॉलर खर्च कर रहा है और इससे पाकिस्तान में हाहाकार मचने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद इन निदियों के जल रोकने की कैपिसीटी 15 दिन से बढ़कर सीधे 60 दिन हो जाएगी।

पाकिस्तान भारत के इस प्रोजेक्ट से बुरी तरह घबराया हुआ है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान को सूखे का डर सताने लगा है। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि जब फसलों की पानी की जरूरत होगी तो नदियों का बहाव बेहद कम हो जाएगा।

3000 किलोमीटर दूर सऊदी की रिफाइनरी पर हमला... भारतीयों की जेब पर कैसे डालेगा असर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सोमवार की सुबह वैश्विक तेल बाजार के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। भारत से हजारों किलोमीटर दूर सऊदी अरब का एक अहम रिफाइनरी केंद्र अचानक ठप हो गया और दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण तेल जलडमरूमध्य हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई।

नतीजा यह हुआ कि कच्चे तेल की कीमतों में एक ही दिन में जोरदार उछाल आ गया, जिसकी गूंज सीधे भारत के शेयर बाज़ार और मौद्रिक नीति तक पहुंची। ड्रोन और मिसाइल मलबे के खतरे के चलते सऊदी अरामको को रास तनुरा में स्थित 5.5 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली रिफाइनरी और निर्यात केंद्र में परिचालन रोकना पड़ा। साथ ही, ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद बढ़े तनाव के कारण जहाज मालिकों ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने से परहेज करना शुरू कर दिया। यह रास्ता दुनिया की लगभग 20त्न तेल आपूर्ति के लिए जीवनरेखा माना जाता है।

इन घटनाओं के बाद ब्रेंट क्रूड एक दिन में 9-13% उछलकर 70 डॉलर के ऊपरी और 80 डॉलर के निचले स्तर तक पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 9त्न से अधिक चढ़कर 70 डॉलर के आसपास आ गया।

संभल की जामा मस्जिद खंडहर पर बनी या खाली जमीन पर? मालिक का पता नहीं, हैरान कर देगा एएसआई का जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश के संभल में बनी जामा मस्जिद का निर्माण किसी खंडहर या खाली जमीन पर हुआ, इस आशय का कोई दस्तावेज नहीं है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यह जानकारी आरटीआई के जवाब में मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) को दी है।

जामा मस्जिद निर्माण से संबंधित आरटीआई प्रार्थना पत्र सत्य प्रकाश यादव ने दिया था। इसमें पूछा गया था कि मुगलकालीन जामा मस्जिद भवन तोड़कर उसके खंडहर पर बनाई गई या खाली जमीन पर बनी?

पूछा गया कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है उसके मालिक का क्या नाम था और क्या उसने मस्जिद बनाने वालों को जायज तरीके से जमीन का मालिकाना हक दिया था? इन प्रश्नों के उत्तर में एएसआई ने कहा है कि उसके पास इन सवालों के जवाब देने के लिए दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

संभल की जामा मस्जिद केंद्र सरकार की संस्था एएसआई द्वारा संरक्षित स्थल है। उसके ढांचे में किसी तरह का बदलाव या कोई निर्माण एएसआई की अनुमति से ही किया जा सकता है, लेकिन 2018 में एएसआई ने बताया था कि मस्जिद प्रबंधन द्वारा परिसर में स्टील रेलिंग उसकी अनुमति के बगैर लगाई गई।

प्रार्थना पत्र में संभल की जामा मस्जिद का निर्माण काल भी पूछा गया था। इसके जवाब में एएसआई ने बताया है कि 1526 में इस मस्जिद का निर्माण हुआ। एएसआई ने बताया है कि यह मस्जिद 1920 में उसके संरक्षण में आई और इस समय भी भवन मस्जिद रूप में स्थापित है।

PM मोदी ने बहरीन के शाह, सऊदी अरब के युवराज को लगाया फोन; भारतीयों की सुरक्षा पर बातचीत

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के शाह हम्माद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के युवराज व प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से टेलीफोन पर बातचीत की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब क्षेत्र में जारी संघर्ष ने कई देशों को प्रभावित किया है। अधिकारियों के अनुसार, पीएम मोदी ने दोनों नेताओं से बात करते हुए बहरीन और सऊदी अरब पर हुए हालिया हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने इन हमलों को इन देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताते हुए अपनी गहरी चिंता जताई।

पीएम मोदी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों की सुरक्षा और कुशल मंगल के बारे में विस्तार से चर्चा की, क्योंकि हजारों भारतीय वहां कार्यरत हैं और वर्तमान तनाव से उनकी सुरक्षा को लेकर भारत सरकार विशेष सतर्क है। यह बातचीत पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए बड़े हमलों के बाद हुई, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने इस हमले का जवाब देते हुए कई मिसाइलें और ड्रोन दागे, जिनमें बहरीन और सऊदी अरब सहित क्षेत्र के कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे निशाने पर रहे।

ईरान की जवाबी कार्रवाइयों से बहरीन में अमेरिकी नौसेना की 5वीं फ्लीट मुख्यालय प्रभावित हुआ, जबकि सऊदी अरब के कुछ एयर बेस और पूर्वी क्षेत्रों पर भी हमले रिपोर्ट किए गए। इन घटनाओं ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है, जिससे तेल आपूर्ति, व्यापार और नागरिक सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में अहम है।

पीएम मोदी ने इससे पहले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से भी बात की थी, जहां उन्होंने संघर्ष की तत्काल समाप्ति और बातचीत के माध्यम से समाधान की अपील की।

बड़वानी जिले की 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए दीं 2068 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

भगोरिया पर्व पर जनजातीय वर्ग के सम्मान और कल्याण का दिया सशक्त संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में सोमवार को हुई पहली कृषि कैबिनेट में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी और सहकारिता से संबंधित 27 हजार 500 करोड़ रूपये की विभिन्न योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। किसान कल्याण वर्ष में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट में किसानों और विभिन्न उत्पादक गतिविधियों में लगे लोगों के लिए 25 हजार 678 करोड़ रूपये की योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कृषि कैबिनेट में नर्मदा नियत्रंण मण्डल की बैठक में बड़वानी जिले की 2 सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए 2,068 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। इन योजनाओं में स्वीकृत की गई राशि अगले 5 वर्षों में व्यय की जायेगी। जनजातीय अंचल में मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों ने जनजातीय परंपरागत वस्त्रों को धारण कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अभ्युदय मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग के सम्मान और कल्याण का सशक्त संदेश दिया।

मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्यद्योग नीति-2026 की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्यद्योग नीति-2026 को स्वीकृति दी। इसमें अगले 3 वर्षों तक रुपये 3 हजार करोड़ का निवेश एवं लगभग 20 हजार रोजगार (10 हजार प्रत्यक्ष एवं 10 हजार अप्रत्यक्ष) सृजित होंगे। इस नीति में 18 करोड़ 50 लाख रूपये के बजट प्रावधान की स्वीकृति दी गई। इसमें केज कल्चर को आधुनिक स्वरुप में बढ़ावा देते हुए लगभग एक लाख केज स्थापित किये जायेंगे। इस नीति में मछली पालन संबंधी गतिविधि के साथ ईको-टूरिज्म एवं ग्रीन एनर्जी को शामिल करते हुये बहुउद्देशीय आजीविका मॉडल के रुप में कार्य होगा।

पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल कें लिए 610 करोड़ 51 लाख रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने पशु चिकित्सालय एवं अन्य भवनों के अधोसंरचनात्मक विकास के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अगले 5 वर्षों तक पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल कें लिए 610 करोड़ 51 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की। यह कार्य वर्ष 2026 से 2031 तक निरंतर जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के लिए 200 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना को आगामी 2 वर्ष, वर्ष 2026-27 और वर्ष 2027-28 की निरंतरता के लिए 200 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना में मत्स्य बीज संवर्धन, मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण, ब्याज अनुदान एवं रोजगार के अवसर प्रदान किये जाते हैं।

मंत्रि-परिषद ने राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन को आगामी 5 वर्षों तक निरंतर रखने के लिए 1150 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी। इस योजना में कृषि क्षेत्र में दक्षता की वृद्धि, विभिन्न कृषि घटकों के प्रभाव वृद्धि, दोहराव से बचाव संबंधी कार्य किये जायेंगे।

सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के लिए 1,375 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना को आगामी 5 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2020-31 तक) की निरंतरता के लिए 1,375 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इस योजना में केन्द्र एवं राज्य सरकार की भागीदारी से, मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करणीय उ?द्योगों के उन्नयन तथा नवीन खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जायेगी।

मंत्रि-परिषद ने उद्यानिकी के क्षेत्र में पौधशाला उ?द्यान में रोपणियों में पौध तैयार करने और उच्च गुणवत्ता की पौध एवं बीज, रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाने के लिए अगले वर्ष 2031 (आगामी 5 वर्ष) तक के लिए 1739 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास की 20 परियोजनाओं के लिए 3 हजार 502 करोड़ रुपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास की 500 करोड़ से कम वित्तीय आकार की 20 परियोजनाओं को आगामी 5 वर्षों तक अर्थात 31 मार्च, 2031 तक के लिए निरंतर जारी रखने जाने की स्वीकृति दी है। इसके लिए 3 हजार 502 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

मंत्रि-परिषद द्वारा सहकारिता विभाग की सहकारी बैंकों के अंश पूंजी सहायता योजना को अगले 5 वर्षों 31 मार्च, 2031 तक संचालित करने के लिए 1 हजार 975 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई। लोकवित्त से वित्त पोषित कार्यक्रम को ऋण प्रदाय करना सहकारिता विभाग द्वारा जिला बैंकों के माध्यम से, कालातीत ऋणों की पूर्ति किये जाने के लिए कृषकों को फसल ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाती है।

कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना के लिए 3 हजार 909 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना को 31 मार्च, 2031 तक की निरंतरता के लिए 3 हजार 909 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। सहकारिता विभाग द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन फसल ऋण राशि रुपये 3 लाख तक शून्य प्रतिशत दर पर उपलब्ध कराया जाता है। किसानों को प्राप्त हो रही सुविधा एवं सहायता प्राप्त होती रहेगी।

सहकारी संस्थाओं के कुशल संचालन के लिए 1, 073 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने सहकारिता विभाग के अधीन सहकारी संस्थाओं को आवश्यक सहयोग जैसे अंशपूंजी, ऋण तथा अनुदान आदि सुलभ कराने एवं विभागीय गतिविधियों को सुचारु रखने के लिए 12 प्रचलित योजनाओं को भी 31 मार्च, 2031 तक निरंतर संचालित रखने की स्वीकृति प्रदान की है। इन 12 योजनाओं की निरंतरता के लिए 1073 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है।

सहकारिता की विभिन्न योजनाओं के लिए 1,229 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा कृषि क्षेत्र में सहकारिता विभाग के अधीन चल रहीं विभिन्न योजनाओं के अगले 5 वर्षों तक सुचारु संचालन एवं मानीटरिंग के लिए विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत एक हजार 229 करोड़ स्वीकृत किये गये।

पशुधन विकास के लिए 656 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना अंतर्गत सोर्टेड सेक्स्ड सीमन उत्पादन परियोजना को 31 मार्च, 2031 तक निरंतर संचालित करने के लिए 656 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इस योजना में चिन्हित नस्ल के मादा गौ-भैंस वंशीय पशुधन बढ़ाये जाने के उद्देश्य से पशु पालकों को आवश्यक तकनीकी सहयोग दिया जाता है। इस योजना से पशु पालकों को निरंतर लाभ प्राप्त होता रहेगा।

स्कूल और फ्लाइट्स बंद, युद्ध के साये में कैसा है दुबई का नजारा, इंदौरियों ने बताया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमेरिका और ईरान के मध्य जारी सैन्य तनाव के बीच दुबई पर हुए मिसाइल हमलों ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि इन हमलों से किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है और सभी नागरिक पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में दुबई के आर्थिक भविष्य और निवेश की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच स्थानीय निवासियों ने स्थिति स्पष्ट की है। अमर उजाला ने इस संबंध में इंदौर के मूल निवासी मनोज झरिया से विशेष चर्चा की जो पिछले 23 वर्षों से दुबई में रह रहे हैं और वहां एक प्रमुख एफएमसीजी ग्रुप में फाइनेंस हेड के पद पर कार्यरत हैं। मनोज झरिया के अनुसार दुबई का बाजार अपनी मजबूती बनाए रखेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि दुबई एक ऐसा वैश्विक केंद्र है जो भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सेतु का कार्य करता है। माल के आयात-निर्यात के लिए यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है जिससे यहां व्यापारिक गतिविधियों में निरंतर वृद्धि की संभावना बनी रहती है। दुबई प्रशासन की सतर्कता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वहां के अधिकारी वर्तमान वैश्विक स्थितियों का सूक्ष्मता से विश्लेषण कर रहे हैं और हालातों को शीघ्र ही पूर्ण नियंत्रण में लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शिक्षण व्यवस्था और दैनिक कार्यप्रणाली प्रभावित हुई- सुरक्षा और एहतियात के तौर पर स्थानीय स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। वर्तमान में तीन दिनों के लिए छात्रों को घर से ही शिक्षा ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षक आधुनिक ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग कर बच्चों की पढ़ाई का क्रम जारी रखे हुए हैं। आम जनजीवन के बारे में मनोज ने बताया कि वे और उनके साथी अपने घरों से ही कार्यालय का कार्य संपन्न कर रहे हैं। सड़कों पर सामान्य आवाजाही देखी जा सकती है और नागरिकों के बीच किसी भी प्रकार का भय या घबराहट का माहौल नहीं है।

विमानन सेवाएं और एयरपोर्ट की स्थिति- दुबई दुनिया के व्यस्ततम व्यापारिक केंद्रों में से एक होने के कारण यहाँ के हवाई अड्डे पर सदैव भारी दबाव रहता है। उड़ानों के अस्थायी रूप से बाधित होने के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से यात्रियों को नई उड़ानों और समय सारिणी के विषय में निरंतर जानकारी प्रदान की जा रही है ताकि उन्हें अधिक असुविधा न हो।

भ्रामक सूचनाएं सभी को परेशान कर रही- मनोज झरिया ने बताया कि इस समय सबसे बड़ी चुनौती फेक न्यूज यानी भ्रामक खबरें हैं।

लवकुश चौराहे पर बन रहे लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण आगामी जून माह तक होगा पूर्ण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने तथा आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए लवकुश चौराहे पर निर्माणाधीन लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्माण एजेंसी से अब तक की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। बताया गया कि लगभग 180 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज आगामी जून माह तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह फ्लाईओवर सिंहस्थ के दौरान शहर में बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आवागमन को सुगम बनाएगा। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्माण कार्य के चलते सर्विस लेन की तत्काल मरम्मत और व्यवस्थित करने के लिये संबंधित एजेंसी को निर्देश दिये, ताकि आम नागरिकों को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के साथ-साथ वैकल्पिक यातायात व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए दी जाएगी हर संभव मदद : मुख्यमंत्री

बड़वानी में हॉकी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एस्ट्रो-टर्फ की उपलब्ध कराई जाएगी सुविधा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नागलवाड़ी में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट के अवसर पर बड़वानी जिले के प्रबुद्धजनों से भेंट की। उन्होंने एनआरएलएम की लखपति दीदियों, बड़वानी जिले के नेशनल खिलाड़ियों और उन्नत किसानों के अनुभव सुने और उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रबुद्धजनों से भेंटकर कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं, ग्रामीणों, किसानों, खिलाड़ियों सहित समाज के सभी वर्गों की प्रगति के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से मदद उपलब्ध करा रही है।

बड़वानी जिले के ग्राम भागसुर की सीमा नरगावे ड्रोन दीदी ने निमाड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने जैविक खेती और ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण लिया। अब वह अन्य महिलाओं को जैविक खेती करना सिखा रही है। ड्रोन दीदी सीमा ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़कर उसकी आय में वृद्धि तो हुई ही है, साथ ही उसे एक नई पहचान भी मिली है। सीमा ने बताया कि वह गांव में ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव करती है जिससे घंटों का काम अब मिनिटों में होने लगा है और उसे नियमित रूप से आय भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा करते हुए हॉकी की नेशनल खिलाड़ी सुश्री स्नेहा मोहनिया ने बताया कि उसे राष्ट्रीय स्तर पर 2 गोल्ड मेडल और 1 सिल्वर मेडल मिल चुका है। स्नेहा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बड़वानी में एस्ट्रो-टर्फ की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर राइफल शूटिंग की नेशनल खिलाड़ी जुलवानिया निवासी सुश्री वैष्णवी महुले से भी चर्चा की। उन्होंने सुश्री वैष्णवी को राज्य स्तर की शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण दिलाने के लिए निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुलवानिया में शूटिंग क्लब प्रशिक्षण केंद्र संचालन कर रहे प्रशिक्षक श्री नीरज को 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि बालिकाओं की ट्रेनिंग के सराहनीय कार्य के लिए देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बड़वानी जिले के ग्राम घटवा निवासी उन्नत कृषक श्री महेश पाटीदार ने अपने उत्पाद गुड़ की चाय के बारे में बताया। श्री पाटीदार ने बताया कि उन्होंने पी.एम.एफ.एम.ई. योजना में 28 लाख रुपए का ऋण लिया था। इसमें उन्हें 10 लाख रुपए का अनुदान भी मिला है। वर्तमान में श्री पाटीदार गुड़ की चाय के 500 क्विंटल के पैकेट प्रतिवर्ष बेच रहे हैं। भविष्य में एक हजार क्विंटल प्रतिवर्ष गुड़ की चाय के पैकेट बेचने का उनका लक्ष्य है। श्री पाटीदार ने बताया कि उनकी गुड़ की चाय के पैकेट विक्रय के लिए अमेजॉन एवं अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

बड़वानी जिले के ही श्री अमोल महाजन ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को केला उत्पादन के अपने व्यवसाय के बारे में बताते हुए कहा कि वह पहले अमेरिका में जॉब करते थे, बाद में जॉब छोड़कर अपने देश में ही केला उत्पादन का स्टार्ट-अप शुरू किया। आज उनका केला दुबई, ईरान और इराक सहित विश्व के कई देशों में निर्यात हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री महाजन की उपलब्धि की प्रशंसा की।

धार भोजशाला परिसर की कब्रों पर नया विवादः एएसआई सर्वे रिपोर्ट से बढ़ी हलचल, मुस्लिम पक्ष कोर्ट जाने को तैयार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार के भोजशाला परिसर में लंबे समय से शवों को दफनाने का विवाद चला आ रहा है। यहाँ कुछ परिवारों के सदस्यों की मौत होने पर उन्हें परिसर के भीतर ही दफनाया जाता था। हालांकि, हिंदू समाज द्वारा इसका लगातार विरोध किया गया। विवाद बढ़ता देख साल 1997 में तत्कालीन कलेक्टर ने एक आदेश जारी कर भोजशाला में शव दफनाने पर रोक लगा दी थी। इस आदेश के बाद वहां अंतिम संस्कार बंद हुआ, लेकिन मस्जिद के सामने वाले हिस्से में आज भी कई पुरानी कब्रें मौजूद हैं। जांच में यह बात भी सामने आई है कि इन कब्रों को बनाने में उन पत्थरों का इस्तेमाल किया गया जो भोजशाला के हिस्सों को तोड़ने के बाद मलबे के रूप में वहां पड़े थे। एएसआई ने सर्वे के दौरान इन कब्रों के पास के इलाके की भी जांच की है। हालांकि इनके बारे में अभी पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन यह साफ है कि शहर में अलग कब्रिस्तान होने के बावजूद कुछ लोग शवों को दफनाने के लिए भोजशाला परिसर का ही इस्तेमाल करते थे।

भोजशाला के उस हिस्से में जहाँ मस्जिद बनी है, वहां के पत्थरों और गुंबदों पर ऐसी आकृतियां मिली हैं जो आमतौर पर मस्जिद निर्माण में नहीं होतीं। कुछ शिलालेखों पर पशुओं की आकृतियां बनी हुई हैं।

कलेक्टर कार्यालय में लगा हर्बल कलर, उपले और गेहूं की बाली का स्टॉल

ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों की अनूठी पहल, सुरक्षित होली का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर्व को सुरक्षित, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय परिसर में आज हर्बल रंग, उपले और गेहूं की बाली का विशेष स्टॉल लगाया गया। यह स्टॉल ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा संचालित किया गया, जिसमें प्राकृतिक सामग्री से तैयार किए गए हर्बल गुलाल और पूजा सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस केन्द्र को नागरिकों को बेहतर प्रतिसाद मिला।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्टॉल का अवलोकन किया तथा स्वयं हर्बल रंग और उपले खरीदकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हर्बल रंगों का उपयोग न केवल स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित है, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। साथ ही यह ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन भी मौजूद थे।

ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों द्वारा शहर के ग्रामीण हाट बाजार में भी ऐसे स्टॉल लगाए गये हैं, जिससे अधिक से अधिक नागरिकों तक सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर श्री वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाएं, लेकिन रासायनिक रंगों से बचते हुए हर्बल रंगों का उपयोग करें, ताकि स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाकर हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहयोग कर सकते हैं।

अय्याशी के लिए भाई करते थे अपराध, पुलिस से बचने के लिए करते थे बहन का इस्तेमाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र में हुई चोरी की एक सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो शातिर युवकों को हिरासत में लिया है। जांच के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि इस पूरी साजिश में मुख्य आरोपी की सगी बहन भी शामिल थी। पुलिस को चकमा देने के लिए महिला आरोपी खुद फरियादी के साथ थाने पहुंची थी ताकि उसकी भूमिका पर किसी को संदेह न हो सके। पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार यह घटना 24 फरवरी 2026 की रात की है। फरियादी विशाल, जो छोटा बांगड़दा के निवासी हैं, उन्होंने अपनी कार दर्शनी होटल राधिका पैलेस के समीप खड़ी की थी। देर रात स्कूटी पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने कार का कांच तोड़ दिया और वाहन के भीतर रखी नकद राशि लेकर फरार हो गए। मामले की औपचारिक शिकायत 27 फरवरी को दर्ज कराई गई जिसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर पड़ताल शुरू की। थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल दो विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की लोकेशन स्टार चौराहे के पास स्कीम नंबर-134 में ट्रैक की गई। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए सदर बाजार निवासी 22 वर्षीय ध्रुव गौड़ और रावजी बाजार निवासी 18 वर्षीय बबलू राजपूत को दबोच लिया। सघन पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

पकड़े गए आरोपियों ने खुलासा किया कि वे कम समय में अधिक पैसा कमाना चाहते थे और अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया।

इस पूरी योजना में ध्रुव की बहन दिव्यांशी की सक्रिय भूमिका रही। दिव्यांशी ने ही मास्टरमाइंड की तरह काम किया और पुलिस की नजरों से बचने के लिए वह खुद पीड़ित के साथ रिपोर्ट लिखवाने थाने गई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 15 हजार रुपए की नकदी, डेढ़ लाख रुपए का आईफोन और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली है।

ईरान पर हुए हमले खामेनेई की मौत के बाद इंदौर में शोक प्रदर्शन, नारेबाजी कर जताया विरोध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ईरान पर हुए हमले में खोमेनेई सहित मारे गए शिया मुस्लिमों को लेकर इंदौर में शोक मातम हुआ। इंदौर की कागदीपुरा में मुस्लिम समाज के लोग एकत्र हुए। इनमें ज्यादातर युवक थे। वे काले लिबास में आए थे। मस्जिद के बाहर खोमेनेई के दस से ज्यादा पोस्टर लगे हुए थे। उन्होंने मातम प्रदर्शन किया और नारे भी लगाए। मस्जिद के बाहर शोक प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद कागदीपुरा में पुलिस बल भी तैनात हो गया था। रात दस बजे तक शोक प्रदर्शन हुए और नारेबाजी कर शिया समुदाय ने विरोध जताया।

ईरान पर हुए अमेरिका और इजराई के हमले के कारण वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई सहित कई शिया मुस्लिमों की मौत की खबर के बाद इंदौर के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में शोक प्रदर्शन हुए। शहर के कागदीपुरा इलाके में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग जमा हुए और अपना विरोध दर्ज कराया। समाज के लोगों ने मातम मनाकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और नारेबाजी कर विरोध भी दर्ज कराया।प्रदर्शन में शामिल होने आए ज्यादातर लोग काले कपड़ों में पहुंचे थे। युवाओं की तादाद काफी अधिक थी, जो हाथों में बैनर और पोस्टर थामे हुए थे। मस्जिद के बाहर खोमेनेई के करीब दस से ज्यादा बड़े पोस्टर लगाए गए थे, जो वहां के घटनाक्रम के प्रति समुदाय की एकजुटता को दर्शा रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने मस्जिद के बाहर जमा होकर न केवल मातम किया, बल्कि नारेबाजी कर अपना कड़ा विरोध भी जताया।

क्षेत्र में हुए प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। जैसे ही मस्जिद के बाहर भारी भीड़ जुटने और शोक प्रदर्शन की सूचना मिली, कागदीपुरा में तुरंत पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर स्थिति पर नजर बनाए रहे ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

शिया समुदाय का यह विरोध प्रदर्शन देर रात करीब दस बजे तक चलता रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही इन हिंसात्मक घटनाओं के प्रति अपना आक्रोश प्रकट किया। स्थानीय लोगों का कहना था कि वे इस हमले से बेहद दुखी हैं और मारे गए लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं।

लहसुन की आड़ में डोडाचूरा तस्करी का खुलासा, हरियाणा की सिरसा पुलिस की पिपलिया कृषि मंडी में दबिश

व्यापारी के गोदाम पर जांच, हाईवे के ढाबों पर उठे सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराज्यीय तस्करी के एक सनसनीखेज मामले में हरियाणा की सिरसा पुलिस ने पिपलिया कृषि पहुंचकर मंडी व्यापारी संतोष रत्नावत के गोदाम पर दबिश दी। पुलिस ने मौके पर बयान दर्ज किए, दस्तावेजों की जांच की तथा पंचनामा तैयार किया। कार्रवाई उस मामले में की गई है, जिसमें लहसुन की खेप के साथ हरियाणा में गत् दिनों डोडाचूरा बरामद हुआ था।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व व्यापारी द्वारा करीब तीन टन लहसुन पंजाब के लिए पिकअप वाहन से रवाना की गई थी। हरियाणा में नियमित चेकिंग के दौरान सिरसा पुलिस ने उक्त पिकअप को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से डोडाचूरा बरामद होने पर पुलिस भी चौंक गई। पुलिस ने तत्काल वाहन चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने बताया कि उसने पिपलिया मंडी से लहसुन भरवाने के बाद फोरलेन मार्ग पर आगे बढ़ते समय सुंठोद स्थित एक ढाबे से डोडाचूरा लोड किया था। यहाँ पहुंची जांच टीम चालक के बयान के आधार पर सिरसा पुलिस की टीम पिपलिया पहुंची और व्यापारी के गोदाम पर तस्दीक की। पुलिस ने यह स्पष्ट करने के लिए जांच की कि क्या व्यापारी को प्रतिबंधित पदार्थ की जानकारी थी या यह तस्करी चालक ने स्वयं की ? पुलिस सूत्रों के अनुसार, गोदाम से संबंधित दस्तावेज, बिल-रसीद एवं परिवहन से जुड़े कागजात खंगाले गए हैं। व्यापारी से भी विस्तृत पूछताछ की गई है। फिलहाल सिरसा पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

सुंठोद ढाबा जांच के घेरे में- चालक के बयान में जिस ढाबे का जिक्र किया गया, वह मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के सुंठोद में फोरलेन हाईवे पर स्थित बताया जा रहा है। इस खुलासे के बाद हाईवे पर संचालित ढाबों की गतिविधियां एक बार फिर संदेह के घेरे में आ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से कुछ ढाबों पर संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की चर्चा रही है। लेकिन बीते कई माह से पुलिस ने अभी तक तस्करी को लेकर कोई कार्रवाई नही की है। आरोप है कि स्थानीय पुलिस की नाकामी के चलते हाईवे के कुछ ढाबे तस्करों के लिए सुरक्षित ठिकाना बनते जा रहे हैं, जहां से अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई की जाती है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई पर सवाल- चालक द्वारा ढाबे से डोडाचूरा भरने की बात कबूल करने के बावजूद अब तक संबंधित ढाबे के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है। इसे लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। बताया गया सुंठोद के एक व्यापारी का भी तस्करी में नाम सामने आया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई हो, तो इस प्रकार की तस्करी पर अंकुश लगाया जा सकता है।

पुलिस बोली, जांच जारी- पिपलियामंडी पहुंचे सिरसा पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। डोडाचूरा किसने भरवाया, इसके पीछे कौन-कौन शामिल है तथा क्या यह संगठित गिरोह का हिस्सा है, इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि उपज परिवहन पर खड़ा हुआ सवाल- इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कृषि उत्पादों की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी का जाल प्रदेशों के बीच फैलता जा रहा है ? अब देखना होगा कि जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और किन-किन पर कार्रवाई होती है। बताया गया इसमे एक पिकअप नीमच से भी लोड हुई थी इसमे भी डोडाचूरा था। फिलहाल सिरसा पुलिस नीमच में भी डोडाचूरा तस्करी के नेटवर्क को लेकर जांच कर रही है।

हमारे यहाँ राजदंड से बड़ा धर्मदंड माना गया है-मुकेश दिसवाल

सामाजिक समरसता मंच का होली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि पुरानी कटु स्मृतियों को भुलाकर नए स्नेह और सौहार्द की शुरुआत करने का उत्सव है। यह अहंकार और शोक को दूर कर समाज को एक सूत्र में पिरोने का पर्व है। हमारी जड़ें सनातन संस्कृति में हैं और हमारे यहाँ राजदंड से भी ऊपर धर्मदंड को स्थान दिया गया है।

उक्त विचार मालवा प्रांत के प्रांत समरसता संयोजक मुकेश दिसवाल ने मंदसौर में माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित सामाजिक समरसता मंच के होली मिलन समारोह में नगर के समाज प्रमुखों,सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठन प्रमुखों एवं उपस्थित मातृशक्ति के बीच मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित होकर व्यक्त किये।

अपने संबोधन में श्री दिसवाल ने कहा कि हमारी बोली, रहन-सहन और परंपराएँ भिन्न हो सकती हैं, किंतु हमारी राष्ट्रीयता एक है। हमारी संस्कृति में जीवन-मूल्यों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना ही हमें जोड़ती है। विशेष अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए भागवताचार्य पंडित मिथिलेश नागर ने कहा कि भारत ही ऐसा देश है जो समस्त विश्व के कल्याण की कामना करता है। समरसता केवल भाषणों से नहीं आएगी, बल्कि उन बंधुओं के साथ आत्मीयता से जुड़ने से आएगी, जो स्वयं को उपेक्षित अनुभव करते हैं। समरसता का भाव जीवन में आत्मसात करना होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, समाज प्रमुख एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम दिनांक 8 मार्च को रंग पंचमी में अवसर पर नगर में घंटाघर (आजाद चौक) से प्रातः 11 बजे निकलने वाली फाग यात्रा के संदर्भ में रखी गयी थी ।रंगपचमी पर इस बार नगर की सभी 20 बस्तियों के चयनित केन्द्रो से उस क्षेत्र के समाजजनों द्वारा एकत्रित होकर रंगों से सरोबार होती हुई गैर प्रातः 11 बजे तक घंटाघर पहुंचेगी जहाँ से एक भव्य फाग यात्रा बस स्टेण्ड होती हुई गांधी चौराहे पर पहुंचेगी। स्वागत भाषण फाग महोत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश कासट ने प्रस्तुत किया।अतिथियों का स्वागत आनंद तंवर, वर्दीचंद कुमावत एवं अमरजीत सिंह चावला ने किया। समरसता मंत्र का वाचन राजेश पालीवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र गेहलोद ने

सुवासरा पुलिस की फरार ड्रग माफियाओं पर धरपकड़ कार्रवाई, एमडी केस में ईनामी दो आरोपी पकड़े

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस की फरार ड्रग माफियाओं पर धरपकड़ कार्रवाई जारी है। पुराने एमडी ड्रग्स मामले में फरार ईनामी आरोपी कुण्डला बुजुर्ग के शिवलाल और साकरीया खेड़ी के ईश्वर को पकड़ा है, जिनसे तस्करी के नेटवर्क संबंधी जानकारी जुटाई जाएगी।

दिनांक 01 मार्च को मूखबिर सूचना के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ सुश्री हेमलता कुरील एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में थाना प्रभारी सुवासरा निरीक्षक अनिल रघुवंशी के निर्देशन में चौकी प्रभारी उनि भारत कटारा एवं गठित टीम के द्वारा कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। थाना सुवासरा के अपराध क्रमांक 212/25 धारा 8/15,22,25,29 एनडीपीएस एक्ट में फरार ईनामी आरोपी शिवपाल उर्फ श्रीपाल पिता विक्रम उम्र 31 साल निवासी ग्राम कुण्डला बुजुर्ग थाना शामगढ़ व ईश्वर पिता शंकर उम्र 23 साल निवासी ग्राम साकरीया खेड़ी थाना शामगढ़ को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है। दोनो फरार आरोपियों के विरूद्ध पूर्व में पुलिस अधीक्षक द्वारा एकङ्कएक हजार रुपये का ईनाम उद्घोषणा आदेश भी जारी किया गया था। आरोपियों से अपराध में जप्त शुदा अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत के संबंध में पूछताछ की जाकर अनुसंधान किया जा रहा है। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक अनिल रघुवंशी थाना प्रभारी सुवासरा, उनि कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़, उनि भारत कटारा चौकी प्रभारी रूनिजा, प्रआर धनपाल जाट, आऱक्षक सुल्तान मोहम्मद, आऱक्षक विशालसिंह चौहान, आऱक्षक हीरालाल यादव, आऱक्षक इरफान का विशेष योगदान रहा।

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन का उत्सव मनाए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा इस वर्ष पर्यावरण और सामाजिक संदेश के साथ आपसी मतभेदों को मिटाकर, भाईचारे, सामाजिक एकता और हर्षोल्लास के साथ होली का त्यौहार मनाने का नागरिकों से आव्हान किया गया है। इस संबंध में जारी पत्र में कहा गया है, कि जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से यह प्रयास किया जाए, कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह उपलों और गौकाष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही पर्यावरण सरंक्षण और पानी बचाने के लिए प्राकृतिक व हर्बल रंगों से होली खेलने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ हुड़दंग से दूर रहकर भाईचारे के साथ होली का उत्सव मनाने का आव्हान किया गया हैं। शासन द्वारा विशेष रूप से लकड़ी की जगह उपलों और गौकाष्ठ के प्रयोग को बढ़ावा देने जिले में विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए जाने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रम का निःशुल्क पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए हैं। यह पंजीयन सभी जिला मुख्यालयों में पंचायत तथा अन्य स्थानों पर तहसील तथा नगरीय निकायों के माध्यम से पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा। होलिका दहन के दिन मैदानी अमले के साथ स्थानीय संस्थाओं द्वारा आयोजित सार्वजनिक होलिका दहन आयोजनों का भ्रमण कर जलाऊ एवं इमारती वनों की लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित किया जाएगा। होलिका दहन का आयोजन पूर्ण रूपेण गौकाष्ठ आधारित होने के आगामी दो-तीन दिवस में संबंधित नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के संबंधित अधिकारी, कर्मचारी द्वारा प्रमाणीकरण कर प्रस्तुत किया जाएगा। जिला कलेक्टर जिले में इस प्रकार के गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन आयोजन का सूचीकरण करेंगे। राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी दिनों में निर्धारित दिनांक या अवधि में सभी जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिले में स्वच्छ और स्वस्थ्य होली के इस अभियान में सभी से सहभागी बनने का आव्हान किया गया हैं।

जिले के जनप्रतिनिधियों ने दी होली की शुभकामनाएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद श्री सुधीर गुप्ता, जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीपसिह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान ने नीमच जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं दी है। जनप्रतिनिधियों ने अपने संदेश में कहा, कि रंगों का यह पर्व हमें आपसी भाईचारे, सदभाव, प्रेम के साथ मिल जुलकर रहने और अपनी खुशियां एक- दूसरे के साथ बांटने का संदेश देता हैं। सभी जनप्रतिनिधियों, आमनागरिकों को होली पर शुभकामनाएं देते हुए, आशा व्यक्त की हैं, कि रंगों का यह पर्व सभी के जीवन में खुशी और तरक्की के नये रंग भरेगा।

कलेक्टर एवं एस.पी. ने दी होली पर्व की बधाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं दी है। अधिकारीगणों ने अपने शुभकांमना संदेश में कहा, कि सूखे रंगों से होली खेले। पानी का अपव्यय ना करें और किसी पर भी उसकी इच्छा के विरूद्ध रंग ना डाले तथा होली पर प्रेम व भाईचारे की परम्परा बरकरार रखें।

राज्य स्तरीय केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के संबंध में जिले के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार ई-दक्ष केन्द्र में विभिन्न विषय तथा राज्य स्तरीय केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के संबंध में जिले के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जिला कोषालय अधिकारी श्री सुनील डावर के मार्गदर्शन में सिस्टम मैनेजर मुकाम सिंह टैगोर द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य देयकों की प्रस्तुति में सुगमता एवं सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की पेंशन समय-सीमा में ऑनलाइन जारी करना तथा भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। वित्त विभाग द्वारा गठित इस केंद्रीयकृत सेल के माध्यम से अब सभी पेंशन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिससे प्रक्रिया सरल और समयबद्ध होगी। कार्यक्रम में देयक के साथ प्रस्तुत होने वाले आवश्यक स्वीकृति/दस्तावेज, म.प्र. कोषालय संहिता के सुसंगत नियम, पेंशन प्रकरण तैयार करने, ऑनलाइन प्रविष्टि, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने और समय पर भुगतान की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इस दौरान जिले के समस्त विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारी मौजूद रहे।

820 ग्राम अवैध अफीम के साथ युवक गिरफ्तार, बिना नंबर की बाइक भी जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी बुढा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 820 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गुराडिया लाल मुहा निवासी दिलीप पिता तुलसीराम पाटीदार अपने पेट पर अफीम बांधकर बिना नंबर की काले रंग की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल से मंदसौर होते हुए नापाखेड़ा चौपाटी की ओर किसी तस्कर को देने जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने संजीत-मंदसौर रोड पर सिंदपन गांव के आगे सांवरा माता मंदिर के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर एक युवक आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। चालक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलीप पाटीदार (29) निवासी गुराडिया लाल मुहा जिला मंदसौर बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के जैकेट के अंदर कमर पर बंधे गमछे में प्लास्टिक की थैली में काले मटमैले रंग का पदार्थ मिला। जांच में वह अवैध अफीम पाया गया। तौलने पर उसका वजन 820 ग्राम निकला। तस्करी में प्रयुक्त साथ ही बिना नंबर की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय नीमच में सोमवार को सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम का गायन किया गया। राष्ट्रगॉन, म.प्र.गान एवं वन्देमातरम का गायन अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश तथा जिला अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूपसे राष्ट्रगॉन, वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात मार्च माह में शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे सहित कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, सहकारिता विभाग, शिक्षा, कोषालय, जनसंपर्क कार्यालय, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मूक पक्षियों की सेवा ही सच्ची मानवता, मंदसौर में सकोरे वितरण

पंछी बचाओ अभियान के नवीन सदस्यों का हुआ सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीव दया और पक्षी संरक्षण के संकल्प के साथ पंछी बचाओ अभियान संस्था द्वारा स्थानीय नगरपालिका सभागृह में एक गरिमामयी पदभार ग्रहण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के नवीन सदस्यों को उनके दायित्व सौंपे गए और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण और विधि-विधान से पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्था के प्रति समर्पित भाव से जुड़ने वाले समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर आधिकारिक जिम्मेदारी सौंपी गई साथ ही शील्ड देकर उनकी सेवा भावना का सम्मान किया गया। इस दौरान पक्षियों के जल पात्र (सकोरे) वितरित किए गए, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए दाना-पानी का प्रबंध सुनिश्चित किया जा सके। समारोह में शहर की प्रमुख हस्तियों और समाजसेवियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में पंछी बचाओ अभियान जिलाध्यक्ष अनिल कियावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय दुबेला, समाजसेवी नाहरू भाई, युवा नेता भानुप्रताप सिंह सिसोदिया, भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कपिल भंडारी, भाजपा जिला महामंत्री महेश जूनवाल, गुरुदेव पंडित विष्णु जी शर्मा, युवा समाजसेवी उत्सव जैन, युवा समाजसेवी पुलकित पटवा, खाटू श्याम मंदिर ट्रस्टी नरेंद्रसिंह चौहान के आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मूक पक्षियों की सेवा ही सच्ची मानवता है। जिला अध्यक्ष अनिल कियावत ने सभी नए सदस्यों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पक्षियों के लिए जल पात्र लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक राकेश भाटी, संयोजक अंकित बैरागी,सह संयोजक देवेन्द्र राव,दिनेश जोशी, प्रदेश मीडिया प्रभारी विजय गेहलोत, मंदसौर खुलासा संपादक हेमन्त कुमावत, फरदीनशाह ,इमरान बागवान,वैभव राठौर,नितेश पाटीदार,हरीश सालवी, आस्था बोरासी,प्रीति कुमावत,कुसुम पोरवाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हेमंत कछावा ने किया व आभार दिनेश जोशी ने माना।

हतुनिया में अवैध गैस रिफिलिंग सेंटर पर दबिश, 30 बड़ी व दो छोटी गैस टंकी, कंप्रेशर जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाने की चंदवासा चौकी पुलिस ने एक सूचना पर ग्राम हतुनिया में खुले में चल रहे अवैध गैस रिफिलिंग सेंटर पर सोमवार को दबिश दी। 30 बड़ी व दो छोटी गैस टंकी, कंप्रेशर मशीन को जब्त किया गया। टंकिया घरेलू होकर 5 भरी हुई थी। इसमें दो छोटी टंकी भी भरी थी। मौके से अवैध गैस रिफिल करने वाले एक आरोपी को फिलहाल गिरफ्त में लेना बताया गया है।

घटना अनुसार दिनांक 02.03.2026 को जर्ये मुखबीर सूचना प्राप्त हुई। मुखबिर ने बताया कि ग्राम हतुनिया का विष्णु पिता जीवनराम मीणा अपनी दुकान के आगे खुले स्थान पर घरेलु उपयोग के गैस सिलेण्डर से गैस कम्प्रेशर के माध्यम से गैस से चलने वाले वाहनों में गैस भर कर व छोटी गैस टंकियों में गैस भर कर अवैध लाभ कमा रहा है। उक्त व्यक्ति गैस से चलने वाले वाहन में गैस भर रहा है, वह स्थान एक रहवासी बस्ती है। प्राप्त मुखबीर सूचना पर तुरंत कार्यवाही करते हुए ग्राम हतुनिया जाकर छानबीन की। विष्णु मीणा अपने दुकान के सामने खुले रहवासी बस्ती में गैस सिलेण्डर से गैस भरने वाली कम्प्रेशर मशीन तथा उसमे नली से लगी एक लाल रंग की गैस की टंकी से गैस भरने की मोटर लगी हुई थी। अवैध रुप से गैंस की टंकियां भरी जा रही थी। मौके पर आरोपी विष्णु पिता जीवनराम मीणा उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम हतुनिया थाना शामगढ के कब्जे से इण्डियन कम्पनी की लाल कलर की घरेलु गैस सिलण्डर की कुल 05 टंकियां एव 01 छोटी टंकी भरी होकर सीलबन्द हालात में थी। साथ ही एचपी कम्पनी की 03 टंकियां व इण्डियन कम्पनी की 22 टंकियां खाली व हाई टैक कम्पनी की एक छोटी टंकी आधी भरी मिली। इसके अलावा 01 कम्प्रेशर मोटर व एक इलेक्ट्रानिक तौल कांटा भी जब्ती में लिया गया। जब्त सामान की कीम 92 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी विष्णु मीणा को गिरफ्तार किया गया है, जिससे पूछताछ की जाना है। उक्त सराहनीय कार्य में चौकी चंदवासा पुलिस का विशेष योगदान रहा।

प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने दी होली की शुभकामनाएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रदेश के साथ ही नीमच जिलेवासियों को होली की शुभकामनांए दी है। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने संदेश में कहा, कि रंगों का यह पर्व हमें आपसी भाईचारे, सदभाव, प्रेम के साथ मिल जुलकर रहने और अपनी खुशियां एकङ्कदूसरे के साथ बांटने का संदेश देता हैं। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को होली पर शुभकामनाएं देते हुए, आशा व्यक्त की है, कि रंगों का यह पर्व सभी के जीवन में खुशी और तरक्की के नये रंग भरेगा।

होलिका दहन के लिए गोकाष्ठ का उपयोग करें समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समयावधि पत्रों, समाधान पोर्टल एवं अन्य विषयों पर विभाग वार समीक्षा कर विभाग प्रमुखों को आवश्यक निर्देश दिए गये ।

नीमच जिले में ग्राम पंचायतों में गौ काष्ठ आधारित होलिका दहन उत्सव मनाया

स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान में जिले वासियों ने की सहभागिता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के साथ ही कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में सोमवार को नीमच जिले में भी गौ काष्ठ आधारित होलिका दहन उत्सव मनाया गया।

ग्राम पंचायत कंजार्डा में गौ काष्ठ एवं उपलो का उपयोग कर होलिका दहन कर ग्रामीणों द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान में सहभागिता की गई। इसी तरह ग्राम पंचायत जाट, मड़ावदा सहित अन्य ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रो में भी गौ काष्ठ एवं उपलो का उपयोग कर ग्रामीणों ने उत्साह पूर्वक होलिका दहन उत्सव मनाया तथा स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान मेंअपनी सहभागिता की।

नाम परिवर्तन सूचना

मै विशाल गुर्जर पिता श्री मंगेश गुर्जर आयु 34 वर्ष निवासी 119 जवाहर मार्ग नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.) ,मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश ईवा गुर्जर (EVA GURJAR) नाम दर्ज हो गया है ,जो की गलत है जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र में अभिश्री गुर्जर (ABHISHRI GURJAR) दर्ज है जो की वास्तविक एवं सही है 7अतःप्रकाशन के उपरांत मेरे पुत्री का नाम शासकीय अशासकीय सभी दस्तावेजो में अभिश्री गुर्जर (ABHISHRI GURJAR) के नाम से जाना पहचाना जावे एवं आधार कार्ड मे नाम संशोधन किया जावे ।

विशाल गुर्जर
निवासी 119 जवाहर मार्ग
नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.)

सम्पादकीय

आत्मीय इंद्रधनुषी रंगों से ओत-प्रोत हर्षोल्लास का वैश्विक महापर्व होली

होली और होलिकात्सव यह एक ऐसा अद्भुत त्यौहार है जिसे देश मे अनेक धर्म संप्रदाय होने के बावजूद इसे बहुत ही उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया जाने वाला महापर्व माना गया है। इसे समरसता का एक बड़ा प्रतीक भी माना गया है, एकमात्र होली ही ऐसा सनातनी त्यौहार है जो भारत देश की धर्मनिरपेक्षता का जीता जागता अभूतपूर्व उदाहरण है। भाईचारे की इस त्यौहार में रंगों की आत्मीयता से मिलन की मिठास दुगनी हो जाती है। वर्ग विभेद वाले इस त्यौहार में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब एकता पूर्वक इस पर्व को संपूर्ण गर्व के साथ से मनाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा है कि भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। निसंदेह इ भारत पर अध्ययन करने वाले सभी चिंतकों तथा विद्वानों ने एकमत से यह माना है कि भारत विविधताओं व बहुलताओं के मामले में विश्व का अनूठा एवं दिलचस्प देश है। अनेक प्रकार की भाषाएं, रीति रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, लोकगीत,नृत्य, धर्म, संप्रदाय, सामाजिक संरचनाएं और संस्थाएं इस देश को बेहद बहुलतावादी और वैविध्यपूर्ण राष्ट्र बनाती है। इस विशाल, बहु भाषाई, बहु सांस्कृतिक देश की अपनी विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, दार्शनिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, जनसांख्यिकी और भाषाई विभिन्नताएं, विषमताऐ और विशेषताएं विद्वमान है। जो इस देश की विविधता में एकता की खूबी को प्रदर्शित करती है। भारत की सामाजिक संरचना स्वयं में काफी जटिल है। देश में समाज बहुत सारे वर्गों उप वर्गों में बटा हुआ है, इसी तरह यहां समाज में ग्रामीण, उपनगरीय, नगरीय, महा नगरीय, जनजातीय, पहाड़ी कैसे वर्गों में विभाजित हुआ है। भारत में सामाजिक वर्ग भेद के साथ अंदरुनी अंतर्द्वंद भी बहुत ज्यादा है,जैसे कि एकल परिवार और संयुक्त परिवार जातिवादी जाति विहीन समाज ग्रामीण नगरीय द्वंद विवाह सन्यास का द्वंद जो अनेक रूपों में भारतीय समाज में जनमानस के रूप में दिखाई देता है और यह द्वंद स्वतंत्रता के पश्चात से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जहां ग्राम स्वराज को आर्थिक विकास की धुरी मानते हुए सर्वोदय पंचायती राज स्वरोजगार एवं परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहते थे,दूसरी तरफ पंडित जवाहरलाल नेहरू का झुकाव औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र को तीव्र औद्योगिकरण , कल कारखानों को मजबूत करने की ओर था। इसीलिए भारतीय समाज में मिश्रित अर्थव्यवस्था की नई व्यवस्था के माध्यम से इसका समुचित समाधान निकाला गया था।

भारत के राजनीतिक द्वंद भी बहुतायत में रहे हैं। आजादी से पहले कांग्रेस के गरम पंथ हुआ नरम पंथ का द्वंद चलता रहा है और पूर्ण स्वराज की मांग का उहापोह तथा आजादी के बाद संविधान निर्माण के समय संविधान की संघात्मक तथा एकात्मक रचना का विवाद या समाजवाद पूंजीवाद का द्वंद इसी तरह भारत दोनों में उलझता रहा है, और उसके बाद समाधान निकाल कर उससे बाहर भी आया है। भारत धार्मिक ,दार्शनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से एक बेहद समृद्ध राष्ट्र रहा है। विश्व के चार प्रमुख धर्मों हिंदू, सिख, बौद्ध ,जैन की जन्मस्थली भारत ही रही है। इसी तरह भारत वेद पुराणों, उपनिषदों ,ब्राह्मणों, समितियों और आरण्यकों के प्राचीन साहित्य से लबालब भी रहा है। इसके अलावा इस्लाम ,ईसाई ,पारसी जैसे धर्मों को देश में स्वयं सम्मानित कर अपनी मुख्यधारा में समाहित भी किया है।

भारत अंतरराष्टीय स्तर पर विदेश नीति के मामले में गुटनिरपेक्षता की नीति को अपना कर किसी भी गुट में न रहते हुए स्वतंत्र विकास की नीति को अपनाया था। जो कालांतर में भारत की विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है। भारत में बहुआयामी विविधता भी रही है। स्वतंत्रता संग्राम में राजनेताओं ने जहां एक स्वर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्ष लिया था वहीं दूसरी तरफ देश के कुछ हिस्सों में हिंदी विरोधी आंदोलन तक हुए हैं। भारत में संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा देते हुए कुल 22 भारतीय भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर भाषाई सौहार्द्र और समन्वय का बखूबी परिचय भी दिया है।

और भारत में भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी चरित्र को बनाए रखने की भविष्य में भी निरंतर आवश्यकता बनी रहेगी। भारतीय समाज की विविधता पूर्ण सांस्कृतिक,साहित्यिक, दार्शनिक व्यवस्था के बीच विद्वानों ने चिंतन मनन कर इसके बीच का समाधान भी निकाला है एक का सबसे बड़ा उदाहरण भारत में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था का अंगीकार करना है। भारत की विजेताओं के विभिन्न नेताओं ने भारत देश के अंदरूनी मामले को लेकर देश की अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था तथा राजनीतिक व्यवस्था को काफी मजबूत तथा पुख्ता भी किया है। भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था तथा विदेशी नीति पर एक मजबूत आधार स्तंभ रखकर अपनी विश्व में एक अलग छवि तथा स्थान बनाया है। भारत में अनेक विविधताओं विषमताओं को विशेषता बनाकर समाधान अपने बीच ही खोज कर विश्व को एक कीर्तिमान बनाकर दिखाया है। आज भारत मैं इतनी बड़ी जनसंख्या और विभिन्न जातीय धर्म संस्कृति भाषाएं होने के बावजूद एकजुटता की नई मिसाल दिखाकर विश्व के किसी भी देश को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत आज विकासशील देशों में अग्रणी देश माना जाता है।

शांति की बातें, युद्ध की तैयारीः सभ्यता का दोहरा चेहरा

आसमान अभी भी धुंध और धुएँ से भरा था, जब हमारी आँखें टीवी स्क्रीन पर चमकते लाल ब्लॉकों में फँस गईं। एक पल पहले तक यह सिर्फ़ खबरें थीं–और अगले ही पल, यह हमारी ज़िन्दगी बन गई। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमला किया। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों में आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत हुई, जिसकी पुष्टि ईरानी राज्य मीडिया ने 1 मार्च को की। इस खबर ने दुनिया को झकझोर दिया, लेकिन हमारे भीतर का झटका और भी गहरा था। यह कोई दूर की लड़ाई नहीं थी–यह हमारी किताबों में, हमारी दीवारों में, हमारी सांसों में उतर गई। स्कूल की किताबें अब कागज़ नहीं रह गई थीं। वे बम के टुकड़ों में बदल गई थीं। हर पन्ना खून से सना था, हर अध्याय मौत की कहानी कहता था। बच्चे अब पढ़ेंगे कि छिपना और बचना ही उनका पाठ बन गया। हमारी पीढ़ी ने उन्हें विरासत दी है–एक ऐसी विरासत जिसमें ज्ञान और भय, दोनों सिखाए जाते हैं।

हमने शांति की बातें कीं। डिप्लोमेसी चलेगी, कहा। लेकिन 28 फ़रवरी को ऑपरेशन शुरू हुआ, और हमारी आँखें फिर अंधेरी हो गईं। टीवी बंद हुआ। सोशल मीडिया को स्क्रॉल करते हुए सोचा, यह हमारी दुनिया से दूर है। लेकिन यह सच नहीं था। ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है, इज़राइल पर मिसाइलें गिरीं, हिज़्बुल्लाह सक्रिय हुआ, और गल्फ़ में तेल सुविधाओं और जहाजों पर हमले हुए, आग और विस्फोट की खबरें आईं। और हम? हम खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। किताबें जो नई पीढ़ी को पढ़ाएंगी कि उनका भविष्य किस तरह जलता रहा, और उनकी आवाज़ कहाँ गुम हो गई। यह हमारी सच्चाई है, और हमारी चुप्पी–सबसे बड़ा अपराध।

यह युद्ध नया नहीं है, लेकिन हमने इसे अपनी विरासत बना लिया है। 2025 में, जब इज़राइल ने ईरान पर हमला किया, हमने इसे सिर्फ़ सीमित संघर्ष कहकर नजरअंदाज किया। जब ट्रंप ने घोषणा की कि ईरान को न्यूक्लियर हथियार नहीं मिलेंगे, हमने उसकी चेतावनी को हँसी में उड़ा दिया। लेकिन अब, 2026 में, ख़ामेनेई की मौत के बाद, तेहरान में नागरिक क्षेत्र प्रभावित हुए, अस्पतालों और स्कूलों पर असर की खबरें सामने आ रही हैं। हमारी पीढ़ी ने चुन लिया है ङ्क बच्चों को खून भरी किताबें थमाना, हथियार बेचना, और तेल के लिए आंखें मूंद लेना। और वही बच्चे अब पढ़ेंगे ङ्क हर अध्याय में मौत, हर पन्ने पर खून, और जिन किताबों में जीवन का कोई पाठ नहीं।

एक बच्चा अपनी माँ से पूछेगा, माँ, यह किताब क्यों लाल है? और जवाब नहीं मिलेगा। क्योंकि यह लाल नहीं, यह खून से सनी थी। हमारी पीढ़ी ने कहा, हम लड़ रहे हैं ताकि तुम सुरक्षित रहो, लेकिन लड़ाई किससे थी ङ्क खुद से? हमने घृणा बोई, नफ़रत उगाई। प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक की छाया में, मार का बोझ बच्चों पर पड़ा। युद्ध की छाया में रेडिएशन का खतरा मंडरा सकता है, कैंसर और बीमारियाँ पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती हैं। हमने उन्हें क्या विरासत दी? ऐसी किताबें जिनमें हर जन्म मौत की सज़ा पढ़ाता है, और जिनमें जीवन का कोई पाठ नहीं।

यह सिर्फ़ मिडिल ईस्ट की समस्या नहीं है। वर्ल्ड वॉर थ्री की आहट अब हर दिशा में गूँज रही है, हर ख़बर, हर रेडियो, हर स्क्रीन पर इसकी गूंज सुनाई देती है। पोल्स चीख रहे हैं ङ्क अमेरिका में 46त्न, ब्रिटेन में 43त्न, फ्रांस में उच्च प्रतिशत, जबकि जर्मनी में कम लोग अगले पाँच साल में ग्लोबल वॉर को संभावित मानते हैं। लेकिन हम सुन नहीं रहे। हम अपनी आँखें बंद करके नई पीढ़ी के लिए खून से सनी किताबें तैयार कर रहे हैं। बच्चे पढ़ेंगे ङ्क ऐसी किताबें जो न्यूक्लियर विंटर की कहानियाँ कहेंगी, जहाँ सूरज छिपा रहेगा, जहाँ फसलें उगना भूल जाएँगी, और भूख ही मृत्यु का दूसरा नाम बन जाएगी। यह हमारी विरासत है, और इसके साए में बढ़ती हर पीढ़ी अपनी पहली और आखिरी पाठशाला में मौत और विनाश ही देखेगी।

हमने जलवायु परिवर्तन को अनदेखा किया। हमने युद्ध को सामान्य मान लिया। अब इसकी कीमत चुकाने वाली नई पीढ़ी होगी। उनकी पहली किताब विस्फोट की होगी, उनकी आखिरी राख की। उनका डीएनए बदल चुका होगा, उनका बचपन डर और सायरन की चीखों में बीतेगा। उनके खेल नहीं, बल्कि खतरे की घंटियों की गूँज उनके कानों में गूँजेगी। हमारी पीढ़ी का सबसे बड़ा अपराध यही है ङ्क युद्ध को अपनी विरासत बनाना। हमने किताबें लिखीं ङ्क खून से। लेकिन अब वही किताबें उनकी पहली और आखिरी पढ़ाई बन चुकी हैं। नई पीढ़ी पढ़ेगी और समझेगी कि हमने क्या किया, और यह समझ उन्हें हमारे फैसलों की कीमत बतलाएगी।

अब जागने का वक्त है ङ्क इससे पहले कि खून से सनी किताबें बच्चों की पहली और आखिरी पढ़ाई बन जाएँ। जागो। बदलो। लड़ो। क्योंकि अगर हमने अभी नहीं बदला, तो नई पीढ़ी सिर्फ़ खून के पन्ने पलटेगी, और हर सवाल के जवाब के लिए हमारी चुप्पी ही रह जाएगी। बच्चे पूछेंगे, तुमने हमें क्यों मारा? और हमारे पास कोई उत्तर नहीं होगा। अब मौका है युद्ध नहीं, बल्कि शांति की विरासत देने का। हमारी जिम्मेदारी अब तक़दीर बदलने की है। नई पीढ़ी के लिए खून नहीं, शिक्षा छोड़ो। यही हमारी अंतिम लड़ाई है ङ्क आखिरी मौका सुधार का, और आखिरी मौका यह दिखाने का कि हम अभी भी अपने कर्मों के प्रभारी हैं।

युद्ध नहीं, यह हमारी विरासत है। हमने बच्चों को किताबें सौंप दी हैं ङ्क खून से सनी, आँसुओं से भरी, और पीढ़ियों तक उठती चोटों की गूँज समेटे। यह हमारी चुप्पी, हमारी उदासीनता, और हमारी लालच का सजीव प्रमाण है। अब समय है कि हम बदलें। हमें नई पीढ़ी को देने वाली किताबों से खून हटाना होगा, उन्हें केवल शिक्षा, शांति और आशा की विरासत देनी होगी। यही हमारी अंतिम मौका है ङ्क अगर हमने अब कदम नहीं उठाया, तो कल का सूरज कभी नई पीढ़ी के लिए पूरी तरह चमकेगा ही नहीं। यह हमारी जिम्मेदारी है, और हमारी चेतावनी भी बदलाव अब अनिवार्य है।

-प्रो. आरके जैन

खामेनेई के बाद ईरान का भविष्य, बाहरी दबाव से प्रतिरोध और बढ़ेगा

इजरायल ने अमेरिका के साथ साझा अभियान में ईरान पर हमला बोल ही दिया। हमले के शुरुआती दौर में ही ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत से दोनों देशों ने अपने इरादे पूरी तरह जाहिर कर दिए थे। स्पष्ट है कि उन्होंने ईरान में विध्वंस ही नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन की जिद को अपना लक्ष्य बना लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो ईरान की जनता का आह्वान तक कर दिया है कि अपने देश की कमान अपने हाथ में लीजिए और ऐसा मौका फिर पता नहीं कब मिले।

देखा जाए तो ईरान पर यह हमला किसी आसन्न खतरे से अधिक अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान के राजनीतिक गुणा-गणित, इजरायल की सुरक्षा चिंताओं और तथाकथित डोनरो सिद्धांत की आक्रामक महत्वाकांक्षाओं का परिणाम है। डोनरो सिद्धांत के जरिये ट्रंप अमेरिकी प्रभुत्व का व्यापक विस्तार करना चाहते हैं। साल की शुरुआत में वेनेजुएला में तख्तापलट और ग्रीनलैंड को लेकर कड़े तेवर इसी रणनीति का हिस्सा रहे हैं। इसी कड़ी में अब ईरान पर बड़ा हमला किया गया है।

अब अमेरिकी एजेंडा ईरान में सत्ता परिवर्तन का भले हो, लेकिन इतिहास साक्षी है कि जहां समाज, सेना और राज्यङ्कसत्ता की जड़ें गहरी हों, वहां केवल बाहरी बमबारी से सत्ता की संरचना को नहीं बदला जा सकता। खामेनेई की मौत के संदर्भ में ट्रंप प्रशासन शीर्ष नेतृत्व के सफाए और वास्तविक सत्ता परिवर्तन के बीच के अंतर को या तो समझ नहीं पाया या फिर उसे अनदेखा कर रहा है। याद रहे कि ईरानी इस्लामी गणराज्य कोई एक व्यक्ति की तानाशाही नहीं, बल्कि समानांतर संस्थाओं वाला एक हाइब्रिड मॉडल है।

यह मॉडल सर्वोच्च नेता के ऊपर सैद्धांतिक वैधता के छत्र तले रिवोल्यूशनरी गार्ड यानी आईआरजीसी, बसीज मिलीशिया, गार्जियन काउंसिल, विशेषज्ञ सभा, न्यायपालिका और विशाल धार्मिक-आर्थिक ट्रस्टों के संजाल से मिलकर बनता है। यह राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक पहलुओं पर नियंत्रण रखते हुए दमन का सहारा भी लेता है। इस संरचना के एक सिरे को उड़ा देने भर से यह समाप्त नहीं होती, बल्कि और खतरनाक रूप भी ले लेती है।

वर्तमान परिस्थितियों में ईरान में जो संभावित परिदृश्य आकार लेते दिख रहे हैं, उसमें संभव है कि किसी प्रतीकात्मक धर्मगुरु को केंद्र में रखते हुए आईआरजीसी ही कमान अपने हाथ में ले। इस तरह मुल्ला-राज की जगह सैन्य-राज शुरू होगा और व्यवस्थागत तानाशाही जस की तस रहेगी। दूसरे परिदृश्य में संभव है कि आईआरजीसी के भीतर मजहबी ताकतों और प्रांतीय कमांडरों के बीच लंबी खींचतान और गुटीय संघर्ष की स्थिति बने, जिसमें अस्पष्ट सत्ता साझेदारी और हिंसक अस्थिरता कायम रह सकती है। तीसरी स्थिति जनविद्रोह की भी दिखती है जिसमें जनवरी में हुए व्यापक प्रदर्शनों और अब खामेनेई की हत्या से उपजी भावनाओं के बल पर कोई नया राजनीतिक संतुलन बनाने की जुगत हो सकती है।

-धनंजय राजौरा

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार-बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें–यही इस राजनीति का नंगा सच है।

ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या–सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरुआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है–कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में।

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा।

इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे ÷मदद÷ देने का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है–पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में।

ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात-निर्भरता–ये सब उसी जाल के हिस्से हैं।

इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने-चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं।

फिर भी, यह मान लेना कि ग्लोबल साउथ असहाय है, एक बड़ी भूल होगी। समाधान मौजूद हैं, बशर्ते इच्छाशक्ति हो। सबसे पहला कदम है क्षेत्रीय एकजुटता। एशिया के देशों को आपसी विवादों को संवाद और सहयोग से सुलझाना होगा। सीमा विवाद हों या संसाधनों का बँटवारा–इनका हल युद्ध नहीं, बल्कि साझा समझ में है। जब पड़ोसी देश एक-दूसरे के साथ खड़े होंगे, तो बाहरी ताकतों की गुंजाइश अपने-आप कम हो जाएगी।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक स्वावलंबन। संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हों। केवल कच्चा माल निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धन पर जोर देना होगा। तकनीक का हस्तांतरण जरूरी है, लेकिन उत्पादन क्षमता देश के भीतर विकसित करनी होगी। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है। पर्यावरणीय न्याय भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा है। ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

धर्म का अर्थ

एक शब्द में *नियम* और थोड़ी व्याख्या में जाएं तो धर्म का अर्थ *जीवन जीने का तरीका* या जीवन जीने के नियम ही धर्म है धर्म का अर्थ मात्र साधना करना नहीं है या किसी मंदिर में शंख बजाना या मस्जिद में अजान देना नहीं है धर्म का अर्थ है कि इस धरा पर जिस रूप में ईश्वर ने आपको भेजा है उसी रूप के अनुसार अपने कर्म को करना अपने कर्तव्यों को प्राप्त संसाधनों द्वारा पूरा करना और प्रसन्न रहना, धर्म कहता है कि आपको अपने कर्म करते हुए समाज और अपने आसपास के वातावरण को भी स्वस्थ रखना है धर्म निष्क्रियता नहीं है धर्म पूरी तरह से क्रियाशील कर्तव्य प्रणेता का परिचारक है धर्म गलत का विरोध करना है तो सही के साथ खड़े होना भी धर्म है एक पूजा करने वाले व्यक्ति को हम धार्मिक मान लेते हैं जबकि धर्म का अर्थ धैर्य धारण करना है मानवता धर्म है इसी कारण प्रत्येक जीव का धर्म अलग हो सकता है उसके देश, काल एवं परिस्थितियों के अनुसार एक सैनिक का धर्म देश की रक्षा करते हुए किसी (दुश्मन) के प्राण लेना धर्म है जबकि दूसरी तरफ किसी भी जीव की हत्या पाप है इसलिए धर्म कर्म प्रधान है काल प्रधान है स्थिति प्रधान है धर्म बहुत व्यापक है उसको संकुचित अर्थ में लेना मूर्खता होगी धर्म मानव मात्र में एकता और सद्भावना है धर्म का विचार विवेक से किया जा सकता है, हृदय से नहीं। और अंत में धर्म भय से मुक्ति दिलाता है और भय मुक्त वातावरण तैयार करना भी धर्म है।

ध्यान परमात्मा को अपने अस्तित्व में अनुभव करने की स्थिति है

पंचमहाभूतों से बनी हुई और नौ द्वारों वाली यह अपनी देह ही कुरुक्षेत्र है, जिसमें सदैव सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच युद्ध चलता रहता है। इसे ही हम कुरुक्षेत्र में घटित कौरव और पांडवों का युद्ध कह सकते हैं और क्षेत्रज्ञ हैं, हमारे हृदय में स्थित आत्मतत्व जो श्रीकृष्ण की भांति हमारा मार्गदर्शन करते हैं। जब हमारे अंदर का अर्जुन जागृत होता है, (अर्जुन प्रतीक है, जिज्ञासा और अनुराग का) तब हमारे अंदर उस परमतत्व को पाने की, उसे जानने की शुद्ध इच्छा जागृत होती है। और इस जागृति के पश्चात् श्रीकृष्ण आप पर कृपा करते हैं और आपके आत्म- साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करते हैं। अपना धर्मक्षेत्र जागृत करना अर्थात सदैव परमपिता परमेश्वर की शीतल छाँव में रहना, उसके सानिध्य की मधुर अनुभूति पाप्त करना, जिसको शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, जिसे केवल अनुभव किया जा सकता है। जिस किसी ने इस मधुर फल को चखा है उसने इसका वर्णन कविताओं, गीतों, छंदों आदि में किया है। ऐसे ही हैं आत्मसाक्षात्कारी संत कबीरदास जी हैं, वे कहते थे,

ज्यों तिल मांही तेल है,ज्यों चकमक में आग
तेरा सांई तुझमें, बस जाग सके तो जाग ॥

अर्थात हमारे भगवान हमारे हृदयरूपी संवितकमल में हैं, हम उसे नहीं जानते, कभी भी अंतर्मुख होकर हमारी चित्तवृत्तियों की तरफ देखते नहीं, इन्हें कैसे शांत किया जाय, कैसे उन्नत किया जाय, ये कभी नहीं सोचते। बाहर मंदिर मे जाकर परमेश्वर को खोजते हैं। परमपिता परमेश्वर हमारे रचयिता हैं, जिन्होंने हमें बनाया, जो सतचित् आनंदमयी है आनंद का सागर है शांति का महासागर हैं। जो हमारे हृदयकमल में बैठकर सदैव निरंतर हमारी राह देख रहे हैं कि, कब मेरा बच्चा आयेगा और कब मैं उसे इस आनंद के साम्राज्य का बादशाह बनाउँगा। पर हम और आप परमेश्वर को बाहर खोज रहे हैं इसलिये कबीर कहते हैं,

जा कारण जग ढूँढ़िया,सो तो घट ही मांहि।
परदा दिया भरम का, ताते सूझे नाहिं ।।

अर्थात हमारे संपूर्ण अस्तित्व का सम्राट है, हमारा आत्मतत्व, जिसे पाने के लिये हमें यह देह?रुपी कुरुक्षेत्र की प्राप्ति हुई है और सहजयोग ध्यान के माध्यम से इसे हम धर्मक्षेत्र में परिणित कर सकते हैं।

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज़ करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है। समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

-ललित गर्ग

अनोखी परंपरा....

गोबर के आभूषण पहनाएं जाते हैं होलिका को

नगर सहित अंचलों में निभाई जाती है प्राचीन परंपरा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आभूषण का नाम सामने आते ही सोने, चांदी या फिर आर्टिफिशियल आभूषण का ही ध्यान आता है, लेकिन नगर और अंचलों में इन दिनों अनेक घरों पर गोबर के आभूषण बनाएं जा रहे हैं। इस परंपरा का अनेक वर्षों से निर्वहन किया जा रहा है। ये गोबर से बनाएं जाने वाले आभूषण वृक्ष रूपी होलिका को पहनाएं जाएंगे। जिसका दहन होने के पश्चात इन गोबर के आभूषणों के कुछ हिस्सों को घर पर लाकर वर्ष भर रखा जाएगा। क्योंकि मान्यता है कि इसे घर पर रखने से छोटे बच्चों को नजर से बचाया जा सकता हैं। वहीं घर में भी समृद्धि बनी रहती हैं।

उल्लेखनीय है कि नगर सहित अंचलों में होलिका दहन के अवसर पर होलिका का पूजन कर उस पर गोबर से बनाएं आभूषणों की माला पहनाएं जाने की परंपरा हैं। इसी परंपरा के तहत आज भी नगर में होलिका दहन के कुछ दिन पूर्व से अनेक घरों में गाय के गोबर से होलिका के श्रृंगार के लिए आभूषण तैयार किए जाते हैं। जिन्हें भरगुलिया कहा जाता हैं। पं. लालशंकर मेहता ने बताया कि भरगुलिया बनाने के पीछे मान्यता है कि किसी भी प्रकार के पूजन में गोबर के उपले का विशेष महत्व रहता है। माता की ज्योत करना हो, होम करना हो, घर के चूल्हे की अग्नि को प्रज्वलित करना हो या घर का वातावरण शुद्ध करना हो। गाय के गोबर के कंडे जलाए जाते है। इसलिए होलिका दहन में भी इनका प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है। गाय के गोबर से निकलने वाला धुंआ नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है। होलिका दहन में उपले या भरगुलिये बनाएं जाते है। गोबर के छोटे-छोटे गोले बनाकर बीच मे छेद कर इनकी माला होलिका को पहनाई जाती है। पं. व्यास ने बताया कि इन्हें जलाने से घर की परेशानियां दूर होती है, हानिकारक बैक्टीरिया भी मर जाते है, वातावरण शुद्ध होता है। होलिका दहन में इनके इस्तेमाल से कुंडली मे अकाल मृत्यु जैसे या कोई भी बीमारी से जुड़े दोष दूर हो जाते है।

बच्चों को बुरी नजर से बचाते हैं जले हुए भरगुलियों के अवशेष- पं. व्यास ने बताया कि होलिका दहन के साथ ही भरगुलियों का भी दहन होता हैं। जब होलिका की अग्नि शांत होती है तो इन जले हुए भरगुलियों को अंगार के रूप में घर में लाया जाता हैं। क्योंकि होलिका की अग्नि धर्म रूपी अग्नि है। इसकी अग्नि से लोग अपने घर का चूल्हा भी प्रज्वलित करते है। वहीं इन जले हुए भरगुलियों को घर में रखने से बच्चों को बूरी नजर से भी बचाया जाता हैं।

गड़ गए होली के डांडे, आज उत्साह से मनेगा पर्व

तैयारियां पूरी, हुलियारों की टोलियों ने भी पूरी की तैयारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगों के पर्व होली को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी है और जगह-जगह डांडे भी रोपे जा चुके हैं। जिनका दहन होते ही लोग परंपरा का निर्वहन करेंगे। इसके साथ ही शुरू होगा रंगों से सराबोर होने का सिलसिला जो पूरे पांच दिन जारी रहेगा।

सोमवार की शाम से ही नगर में 100 से अधिक स्थानों पर होली को सजाने में श्रद्धालू जुटे हुए थे। तो आजाद चौक में भी होलिका की आकर्षक सज्जा की गई है। पांच दिवसीय इस पर्व के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने इसके लिए हुड़दंग करने वालों पर भी पुलिस नजर बनाए हुए थी ओर सख्ती भी बरती जा रही थी।

शाम को मातृशक्ति ने किया पूजन, सुंदरकांड पाठ भी हुआ- आजाद चौक में सोमवार शाम को नगर की सामाजिक, धार्मिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में सक्रिय मातृशक्तियों सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में होलिका का पूजन किया गया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के सभी समाजों के प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित हुए व हनुमान जी का गुणगान किया। जिससे पूरा नगर भक्तिमय हो गया। वहीं रात 10 बजे होलिका का दहन किया गया।

सात दिनों तक होंगे सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन- नगर में यूं तो पांच दिनी होली पर्व मनाने की परंपरा है, लेकिन इस वर्ष यह पर्व सात दिनों तक मनाया जाएगा। इस दौरान नगर में दोपहर में जहां नगरवासी रंगारंग होली पर्व मनाएंगे। वहीं शाम को होली उत्सव समिति द्वारा आजाद चौक में सात दिनों तक सांस्कृतिक, धार्मिक व हास्य से भरपूर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस वर्ष भी निभाई जा रही परंपरा- नगर के सोमवारिया बाजार में भी होली पर्व पर अनूठी परंपरा निभाई जाती है। इसमें एक परंपरा है नीम के पेड़ की होली जो पूरे शहर में केवल सोमवारिया बाजार में ही निभाई जाती है। इसकी शुरूआत क्यों हुई इसके बारे में तो कोई नहीं जानता, लेकिन वातावरण की शुद्धता को लेकर इस परंपरा का शहरवासी आज भी निर्वहन कर रहे हैं। शहर के सोमवारिया बाजार में भी नीम की होली जलाने की परंपरा बरसों से निभाई जा रही है। यहां व्यापार करने वाले सुरेंद्रकुमार सोनी, नंदकिशोर भावसार, जयेश भावसार व प्रेमनारायण भावसार आदि ने बताया कि यह परंपरा कब से शुरू हुई यह तो नहीं पता, लेकिन जब से होश संभाला है तभी से यहां नीम की होली जलते देखा है। रहवासी बताते हैं कि मौसम परिवर्तन के साथ ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों के बीमारी का शिकार होने की संभावना रहती है। नीम के पेड़ की होली जलाने से इसके धुंए से मच्छरों से राहत मिलती है। वहीं नीम एक औषधीय पौधा है जिसके धुंए से वातावरण भी शुद्ध होता है। यहां के रहवासियों का भी यही मानना है कि हमारे पूर्वजों ने वातावरण की शुद्धता और लोगों के स्वास्थ्य को देखते हुए यह परंपरा शुरू की होगी जिसे हम आज भी निभा रहे हैं।

आरसी कार्ड को लेकर हुआ विवाद, शोरूम में की सेल्समैन की पिटाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी थाना क्षेत्र में एक बाइक शोरूम पर मारपीट का मामला सामने आया है। यह घटना रविवार कों हुई, जिसका वीडियो सोमवार दोपहर को 2 बजे सामने आया। वीडियो में कुछ लोग शोरूम के अंदर मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

थाना प्रभारी संजय वर्मा के अनुसार ग्राम झोंकर निवासी राजेश पिता रामचंद्र चौधरी (31) ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजेश शगुन मोटर्स में सेल्समैन के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 1 मार्च को शाम करीब 4 बजे अनिल गुर्जर और अरविंद गुर्जर शोरूम पहुंचे थे। शिकायत के मुताबिक दोनों ने आरसी कार्ड की मांग की। जब राजेश ने बताया कि आरसी अभी तैयार नहीं है तो वे गाली-गलौज करने लगे और थप्पड़-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में दिलीप, राहुल और दो अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। इन सभी आरोपियों ने मिलकर कुर्सियां उठाकर राजेश पर हमला किया। इस मारपीट में राजेश के सिर, गर्दन, उंगली और कान में चोटें आईं। शोरूम में रखी एक नई स्प्लेंडर बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। शोरूम के अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर राजेश को बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पांच नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

अक्षत शर्मा ने बढ़ाया नगर का मान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के अक्षत पिता मनोजकुमार शर्मा ने भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स नई दिल्ली द्वारा आयोजित 2025 चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। जिन्होंने उत्कृष्ट रेंक हासिल कर नगर का मान बढ़ाया है। अक्षत की इस सफलता पर परिजनों व ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अक्षत के उज्वल भविष्य की कामना की है।

अमलतास मेडिकल कॉलेज में स्तनपान व्याख्यान का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के बाल रोग विभाग द्वारा आज स्तनपान- एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में माँ के दूध के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना था।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. उल्का जमाल थीं। डॉ. जमाल एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी होने के साथ-साथ इन्फेंट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग की नेशनल ट्रेनर और BPNI दिल्ली की लाइफ मेंबर भी हैं।

डॉ. जमाल ने अपने संबोधन में स्तनपान को पीढ़ियों के लिए स्वास्थ्य का उपहार बताते हुए कहा किन्माँ का दूध शिशु के लिए पहला टीकाकरण है जो उसे उम्र भर रोगों से लड़ने की शक्ति देता है।स्तनपान न केवल बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है, बल्कि यह माँ के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को नई माताओं की काउंसलिंग करने और स्तनपान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के व्यावहारिक तरीके भी सिखाए।

अमलतास शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा कक्कानी द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया इस अवसर पर अमलतास मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पीठवा, डॉ. प्रशांत, डॉ. शर्मीला मित्तल , डॉ. पूजा मुवेल, डॉ. शिल्पा जैन सभी महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय ने संदेश दिया कि स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण के लिए समाज के हर वर्ग को माँ के दूध के महत्व को समझना और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

शाजापुर में शार्ट सर्किट से केबल में आग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की द्वारकापुरी कालोनी में सोमवार सुबह बिजली केबल में शार्ट सर्किट से आग लग गई। यह घटना वार्ड क्रमांक 25 में डीपी के पास हुई, जिससे लगभग चार से पांच मीटर जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया कि डीपी के पास करीब 50 मीटर से अधिक केबल अस्थायी रूप से लटकी हुई थी, जिसमें शार्ट सर्किट के कारण आग भड़की।

सूचना मिलते ही मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत सुधार कार्य प्रारंभ किया। कंपनी के जेई अहिरवार ने पुष्टि की कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। कर्मचारियों ने स्थिति को नियंत्रित कर विद्युत आपूर्ति बहाल करने के प्रयास किए। इस घटना के बाद विद्युत वितरण कंपनी ने होलिका दहन के दौरान आम जनता से सावधानी बरतने की अपील की है। कंपनी ने निर्देश दिए हैं कि होलिका दहन बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर, खंभों और केबलों से पर्याप्त दूरी पर ही किया जाए।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 5 मार्च को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास-शाजापुर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 05 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला पंचायत देवास के सभाकक्ष में आयोजित होगी। बैठक में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की जायेगी। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना द्वारा निर्मित एवं स्वीकृत सड़को, लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित एवं स्वीकृत सड़को, नल-जल योजना (हर घर) के अंतर्गत किये गये कार्यों, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या एवं आवंटित राशि, सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत जिले में संचालित एवं प्रगतिरत योजनाओं, सांसद निधि के अंतर्गत जिले में कराये गये कार्यों की समीक्षा की जायेगी।

कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला-देवास (म.प्र.)

E-mail: deo.mpeddws@mp.gov.in

देवास, दिनांक 02.03.2026

विज्ञप्ति प्रथम चरण बेच-2

मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2026–27 हेतु आबकारी नीति जो, मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 45 दिनांक 20फरवरी 2026 की अधिसूचना कमांक 3–3–4–0030–2025-Sec-2-पांच (CT) दिनांक 20 फरवरी 2026 में प्रकाशित की गई है, के अनुसार सर्वसाधारण की जानकारी एवं आबकारी के फुटकर ठेकेदारों की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि आबकारी नीति के प्रावधानों के अनुरूप देवास जिले की फुटकर कम्पोजिट मदिरा दुकानों के समूहों का निष्पादन दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिये जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति द्वारा ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम आक्शन) के माध्यम से किया जाएगा।

जिला देवास की समस्त मदिरा दुकानें (वाइन शॉप एवं एयरपोर्ट काउंटर को छोड़कर) कम्पोजिट शॉप होंगी अर्थात मदिरा दुकानों पर देशी एवं विदेशी दोनों प्रकार की मदिरा विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगी। किसी की मदिरा दुकान पर बैठकर मदिरा पीने की सुविधा अनुमत नहीं होगी।

वर्ष 2026–27 हेतु मदिरा दुकानों/समूहों के निष्पादन की प्रक्रिया ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम आक्शन) में भाग लेने हेतु समस्त प्रकार के आवेदकों (व्यक्ति/सोल प्रोप्राइटर/कंपनी/फर्म/लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) कंसोर्टियम आदि) को ई–आबकारी पोर्टल (https://eaabkari.mp.gov.in) पर कान्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल के अंतर्गत पंजीयन एवं अनुमोदन कराना अनिवार्य होगा। वर्तमान अनुज्ञप्तिधारी अथवा पूर्व वर्ष में कान्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल पर पंजीकरण कर चुके आवेदकों को भी वर्ष 2026–27 हेतु पुनः पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उक्त अनुमोदित पंजीयन के अभाव में आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों/समूहों के निष्पादन की प्रक्रिया में भाग नहीं लिया जा सकेगा। ई–आबकारी पोर्टल पर पंजीयन हेतु 1000/– रूपये आवेदन शुल्क का भुगतान ई–आबकारी ट्रेजरी इन्टीग्रेशन के माध्यम से किया जाना होगा। उक्त पंजीयन प्रक्रिया अत्यंत सरल है, जिस हेतु आवेदक को अपनी फोटो, व्यक्तिगत पहचान हेतु निर्धारित अभिलेख, निवास स्थान के पते के प्रमाणीकरण हेतु निर्धारित अभिलेख, पैन कार्ड, GST (जहां लागू हो), बैंक विवरण एवं पोर्टल से प्राप्त निर्धारित प्रारूप में शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना होगा। उक्त पंजीयन में पैन कार्ड (PAN) के आधार पर आवेदक की जानकारी का पोर्टल के माध्यम से स्वतः सत्यापन किया जाएगा।

वर्ष 2026–27 हेतु ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम आक्शन) के माध्यम से संपन्न होगा जिसमें जिले की 24 मदिरा एकल समूह में से ई–आबकारी पोटर्ल पर रेंडमाईजेशन के माध्यम से 8–8 समूह के तीन बैच बनाए जाकर निम्न कार्यक्रम अनुसार बेच–2 के समूह के निष्पादन की कार्यवाही की जावेगी :–

निष्पादन कार्यक्रमः–

1. ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम आक्शन) प्रथम चरण–बैच 2

1	ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) हेतु ऑनलाइन टेण्डर प्रपत्र डाउन लोड एवं ऑफर सबमिट करने की तिथि एवं समय	दिनांक 03 मार्च 2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 05 मार्च.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक
2	ई-टेण्डर कम ऑक्शन प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 05 मार्च 2026 को दोपहर 02.05 बजे से
3	टेण्डर कम ऑक्शन अंर्तगत आक्शन प्रारंभ एवं बंद होने की तिथि व समय	दिनांक 05 मार्च 2026 को दोपहर 03.30 बजे से सांयकाल 05.30 बजे तक (तत्पश्चात 15 मिनिट के अंतराल में बोली दिये जाने पर आगामी 15 मिनट के लिये समयावधि में वृद्धि)
4	ई–टेण्डर खोलने की तिथि एवं समय	संबधित समूह का ऑक्शन समाप्त होने अथवा 05 मार्च 2026 को सांयकाल 06.00 बजे (जो भी बाद में हो)
5	जिला समिति द्वारा ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई- टेण्डर कम ऑक्शन) के माध्यम से निराकरण किये जाने की तिथि एवं समय	ई–टेण्डर खोलने की प्रक्रिया पूर्ण होने तक

टीपः– अपरिहार्य परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रम की तिथियों में परिवर्तन एवं निष्पादन का आगामी कार्यक्रम निर्धारित करने का अधिकार आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर को होगा।

क्र.	मदिरा दुकान समूह का नाम	मदिरा दुकान/ समूह का क्रमांक	मदिरा दुकान अथवा समूह में सम्मिलित मदिरा दुकानों का नाम	मदिरा दुकान/समूह का वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित आरक्षित मूल्य	मदिरा दुकान/समूह की वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित वार्षिक लायसेंस फीस (कॉलम नं. 5 का 5 प्रतिशत)	मदिरा दुकान/समूह की वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि (5-6)	मदिरा दुकान समूह की वर्ष 2026.27 के लिए निर्धारित धरोहर राशि (मध्यप्रदेश राजपत्र आसाधारण कमांक 45 दिनांक 20.02.26 की कंडिका 8.1 अनुसार (रू.)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	विकास नगर	DWS/1	विकास नगर	146920000	7346000	139574000	5500000
			बाबड़िया	105694941	5284747	100410194	
			क्षिप्रा	101586555	5079328	96507227	
			गुलमोहर	38695788	1934789	36760999	
			अमोना देवास	22804794	1140240	21664554	
			योगः–	**415702078**	**20785104**	**394916974**	
2	बागली समूह	DWS/10	बागली ए.	52914514	2645726	50268788	3000000
			बागली बी.	45842577	2292129	43550448	
			चापडा ए.	40250193	2012510	38237683	
			चापडा बी.	32600205	1630011	30970194	
			योग	**171607489**	**8580375**	**163027114**	
3	सोनकच्छ समूह	DWS/11	सोनकच्छ ए.	76806810	3840341	72966470	3000000
			सोनकच्छ बी.	49600080	2480004	47120076	
			बाबई	27535704	1376785	26158919	
			गंधर्वपुरीफाटा	17417418	870871	16546547	
			योग	**171360012**	**8568001**	**162792011**	
4	डबलचौकी समूह	DWS/13	डबलचौकी ए.	45333333	2266667	43066666	3000000
			डबलचौकी (B)	35629131	1781457	33847674	
			पटाडी	34800000	1740000	33060000	
			करनावद	39475240	1973762	37501478	
			डेरियासाहू	12638930	631948	12006983	
			योगः–	**167876634**	**8393833**	**159482801**	
5	हरणगांव समूह	DWS/18	हरणगांव	46080218	2304011	43776207	2500000
			जियांगांव	32400000	1620000	30780000	
			विकमपुर	29365200	1468260	27896940	
			योगः–	**107845418**	**5392271**	**102453147**	
6	बरोठा समूह	DWS/20	बरोठा	43525080	2176254	41348826	2500000
			बरखेड़ा	31561540	1578077	29983463	
			सिरोल्या	26041334	1302067	24739267	
			योगः–	**101127954**	**5056398**	**96071556**	
7	टोंककला समूह	DWS/22	टोंककला	35852843	1792641	34060202	1700000
			पीपल्यासडक	26786667	1339333	25447334	
			डिंगरोदा	17552000	877600	16674400	
			योग	**80191510**	**4009575**	**76181936**	
8	पिपलरांवा समूह	DWS/23	पिपलरांवा (A)	35400400	1770020	33630380	1400000
			पीपलरॉवा (B)	22454204	1122710	21331494	
			लकुमडी	11984584	599229	11385355	
			योग	**69839188**	**3491959**	**66347229**	
				1285550283	**64277515**	**1221272768**	

टीपः–

1. ई–टेण्डर (ई–टेण्डर एवं ई–टेण्डर कम ऑक्शन) हेतु प्रति समूह 30000/–(अक्षरी रू. तीस हजार) फार्म शुल्क रहेगा।
2. कम्पोजिट मदिरा दुकान विकास नगर, में एफ.एल–2 बार प्रदाय हेतु सम्मिलित है।

ई–टेण्डर (ई–टेण्डर एवं ई–टेण्डर कम ऑक्शन) के माध्यम से निष्पादन की प्रक्रिया, शर्ते एवं निर्बंधन NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) एवं पंजीयन संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त जिला–देवास (म.प्र.) तथा मध्यप्रदेश आबकारी विभाग की वेबसाइट https://excise.mp.gov.in से प्राप्त की जा सकती हैं।

ई–टेण्डर (ई–टेण्डर एवं ई–टेण्डर कम ऑक्शन) की कार्यवाही में जो आवेदक (व्यक्ति/सोल प्रोप्राइटर/कंपनी/फर्म/लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) कंसोर्टियम आदि) भाग लेना चाहे, वे इस संबंध में उल्लेखित वर्णित प्रक्रियॉ शर्तों एवं प्रतिबंधों के अर्न्तगत ई–टेण्डर के पार्टल (https://mptenders.gov.in) पर ऑफर दे सकते है।

साहयक आबकारी आयुक्त
जिला-देवास (म.प्र.)

जैन सोश्यल ग्रुप नागदा की संस्कार शाला कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

अन्तराष्ट्रीय व राष्ट्रीय सदस्यो की उपस्थित मे हुआ सम्पन्न

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप रतलाम ग्रेटर द्वारा रतलाम में आयोजित रीजन स्तरीय दिशा कार्यशाला में जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा आगामी 12 अप्रेल को होने वाले संस्कार निर्माण शाला कार्यक्रम के पोस्टर का भव्य विमोचन जैन सोश्यल ग्रुप अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन अध्यक्ष श्री बिरेन भाई शाह के करकमलों द्वारा किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने बताया कि लगभग 500 से अधिक जैन सोश्यल ग्रुप सदस्यों की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन के महा सचिव मनीष जी शाह, मध्यप्रदेश रीजन प्रेसिडेंट राहुल चपडोद , मध्यप्रदेश रीजन इलेक्ट वन प्रेसिडेंट प्रेमेन्द्र चौरड़िया, सचिव अश्विन मेहता , उपाध्यक्ष शरद जैन, ललित कांठेड़, इंटरनेशनल आई डी जयंतीलाल फाफरिया, जोन कोर्डिनेटर डॉ अनिल चौपड़ा आदि महानुभावों ने इस विमोचन को भव्यता प्रदान की। सम्पूर्ण जैन समाज के लिए मध्यप्रदेश रीजन में पहली बार यह शाला आयोजित की जा रही है। सृजक कैरियर कंसल्टेंसी इंदौर की निदेशक विभा गांधी संस्कार शाला में बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। चल समारोह, प्रश्नोत्तरी एवं संस्कार प्रदर्शनी के माध्यम से संस्कार शाला को सार्थक एवं उद्देश्य परक बनाया जाएगा। सहभागिता करने वाले प्रत्येक बच्चे को उपहार प्रदान किया जाएगा। इस संस्कार शाला में नागदा के साथ साथ रतलाम, उज्जैन , जावरा, मंदसौर, नीमच, महिदपुर, खाचरोद, भोपाल आदि अनेक जगहों से लगभग 250 बच्चों की सहभागिता करने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

विमोचन के बने साक्षी - विमोचन कार्यक्रम के इस अवसर पर साहित्यिक कन्वीनर दिलीप कांठेड़, अवार्ड कमेटी कन्वीनर मनीष चपलोत, उपाध्यक्ष अमित बम, रवि संघवी, इलेक्ट वन हितेष कांठेड़, निलेश सोलंकी आदि अनेक ग्रुप सदस्य साक्षी रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने का किया अनुरोध - संस्कार शाला के सफल आयोजन के लिए संस्कार निर्माण कमेटी कन्वीनर श्रेणिक बम, संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र कांठेड़, पूर्व अध्यक्ष एस एम सिसौदिया, अरविंद नाहर, सुभाष बाफना, कमल जैन, निलेश चौधरी, मुकेश धोका, सुरेन्द्र कांकरिया, संजय मुरडिया , उपाध्यक्ष राजा कर्नावट, साधना जैन, सचिव प्रशांत नाहर, कोषाध्यक्ष मनोज वागरेचा, सह सचिव मनीषा गांग, पीआरओ सिद्धार्थ कांठेड़, विपिन वागरेचा, जीवदया प्रभारी आशीष पोखरना, कुशल भंसाली, खेल मंत्री अंकुर जैन, नेत्रदान प्रभारी ब्रजेश बोहरा, सांस्कृतिक सचिव डॉ नितिशा वागरेचा, प्रचार मंत्री पंकज पावेचा सहित अनेक सदस्यों ने सफल बनाने का अनुरोध करा।

स्नेह के विशेष बच्चों ने हर्षोल्लास से मनाया होली पर्व

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लायन्स ऑफ़ नागदा की स्थाई परियोजना एवं बौद्धिक दिव्यांगों के पुनर्वास हेतु कार्यरत संस्था स्नेह के विशेष बच्चों ने होली के त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि वर्तमान समय में नई शिक्षा निति के तहत बच्चों को प्रायोगिक रूप से शिक्षा प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम में कई नए बदलाव किये गए है जिससे कि आने वाली पीढ़ी भारतीय संस्कृति के साथ साथ भारतीय पर्वो को मनाए जाने का महत्त्व भी समझ सके स्नेह के विशेष शिक्षकों ने बच्चों को रंग गुलाल लगाया और उनके साथ होली के गीतों पर थिरके कार्यक्रम के पश्चात् बच्चों के साथ सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाते हुए एक दुसरे को बधाईया प्रेषित की इस अवसर पर संस्था के उपनिदेशक महेशचन्द्र राठौड, परियोजना अधिकारी विप्लव चौहान, डॉ. विजेंद्र सिंह डोडिया, डॉ. कविता सोनी, डॉ. अर्चना सिंह, चेतना सक्सेना, सुनील कुमार गोतम, जीवेन्द्र प्रसाद बिसेन, सविता उपाध्याय, गौरव नागर, लोकेश चौहान, पिंकी मरमट, प्रमोद धर दुबे, पप्पू पानोला, सोनू सेन, शिवानी चौहान, निर्मला डेनिस, दिनेश दस्लानिया, आशा नामदेव, मुन्नी बाई सहित अनेक स्टाफ एवं अभिभावक उपस्तिथ थे।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित विभिन्न समस्याओं की विभागवार समीक्षा कर कमियों की पूर्ति करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही कहा कि होली पर्व के दौरान दुग्ध संबंधी उत्पादों की जांच करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जितने भी होली जलाने के स्थान हैं उनका निःशुल्क पंजीयन करें और उनमें गौकाष्ट का उपयोग करें। उन्होंने पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री जन मन योजना, किसानों की ई-केवायसी, पहली कक्षा में प्रवेश उत्सव, वन ग्राम, राजस्व ग्राम, स्वरोजगार योजनाओं का संचालन के संबंध में विशेष चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके अलावा सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर आपेक्षित प्रगति लाएं। एचपी वैक्सीनेशन और प्रधानमंत्री राहत स्कीम को प्रभावी बनायें-कलेक्टर कलेक्टर श्री सिंह ने एचपी वेक्सिनेशन के संबंध में जानकारी देकर कहा कि इसके लिए एक राष्ट्व्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

शासकीय आदिवासी महिला आईटीआई छिंदवाड़ा में करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आदिवासी महिला आईटीआई छिंदवाड़ा में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए आज करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री अनिल पवार उपस्थित थे, जो भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई में कार्यरत हैं।

श्री पवार ने स्वयं आईटीआई शिक्षा प्राप्त कर अपने परिश्रम एवं लगन के बल पर भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में स्थान प्राप्त किया है। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं को आईटीआई के पश्चात उपलब्ध विभिन्न अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएआरसी सहित अन्य केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र में भी आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

उन्होंने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, तकनीकी दक्षता के महत्व तथा आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित करने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका श्री पवार ने सरल एवं मार्गदर्शक उत्तर प्रदान किया।

कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य श्री दिनेश कुमार सोनेवार, प्रशिक्षण अधीक्षक श्री नलिन तिवारी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित था। संस्था के प्राचार्य श्री दिनेश कुमार सोनेवार ने विशेष अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जो विज्ञान से संबंधित थे। उद्धघाटन सत्र में इंदौर से पधारे फिजिक्स के प्रोफेसर डॉक्टर पी के दुबे ने अत्यंत सरल प्रयोग पद्धति से फिजिक्स जैसे कठिन विषय के नियमों को बहुत ही आसानी से और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। छात्र - छात्राओं ने वर्किंग मॉडल तथा पोस्टर्स बनाकर उसकी प्रदर्शनी लगाई। स्वागत भाषण इस संपूर्ण कार्यक्रम के आयोजनकर्ता प्राणिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनिल पांडे ने दिया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी डॉ शुचिता चांदोरकर ने दी।अध्यक्षीय उद्बोधन मैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर हरीश व्यास ने बच्चों को विज्ञान के प्रति जागरूक होने और अपने चारों ओर के विज्ञान को पहचानने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कोई भी विषय विज्ञान से अलग नहीं है। उद्घाटन सत्र का आभार प्रदर्शन फिजिक्स के विभागाध्यक्ष डॉ अजय सक्सेना ने किया।

दूसरे दिन बायोइनफॉर्मेटिक्स की जानकारी किरण विश्वकर्मा ने वर्कशॉप के रूप में दी। इसमें बायोलॉजी विषय को डाटा साइंस से किस प्रकार जोड़ा जाता है और इसका क्या उपयोग होता है। इस विषय पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात डीएनए आइसोलेशन की वर्कशॉप माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डॉ. जितेन्द्र हिनोरे ने इसे आयोजित किया। डॉ.हर्षद, डॉ.रीमा, डॉ.अशोक ने इसमें सहयोग किया। छात्र -छात्राओं ने बड़ी संख्या में उत्साह से इसमें भाग लिया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के समापन दिवस पर सम्राट विक्रमादित्य विश्व विद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी विषय की विभागाध्यक्ष डॉ अलका व्यास द्वारा पॉपिंग न्यूट्रिशियस पर्ल्स को प्रयोग के द्वारा प्रदर्शन करते हुए समझाया। इसी क्रम में रसायन विषय के विभागाध्यक्ष डॉ बृजेश पारे द्वारा बच्चों को सेरेनडिपिटी इन साइंटिफिक डिस्कवरी इस विषय की विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के समापन समारंभ में इस पूरे कार्यक्रम के आयोजन कर्ता डॉक्टर अनिल पांडे, डॉअजय सक्सेना एवं प्राचार्य डॉ हरीश व्यास ने मॉडल और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को सर्टिफिकेट वितरित किए। मॉडल प्रतियोगिता के प्रथम विजेताओ ने एडवांस इन्टीग्रेटेड स्मार्ट सिटी विषय पर मॉडल बनाया इसमें वैष्णवी रेनिवाल, दिया रावत, विभा खांडेगार , अलवीरा सिद्दीकी, साक्षी जाट, पायल रत, कामिनी बैरागी, मोनिका सक्सेना, मुस्कान पंवार, नमिता के समूह ने बनाया। द्वितीय स्थान गजराज, साक्षी सोनपरोते , सचिन कारपेंटर, नंदिनी सिंह, देवंगिनी, निकिता एवं देवेंद्र के समूह के मॉडल को प्राप्त हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता के प्रथम विजेता राज भोगे एवं द्वितीय स्थान पर सचिन कारपेंटर रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ हरिओम पंवार एवं डॉ अरुणा नापित ने किया। डॉक्टर अनिल पांडे, डॉ. अजय सक्सेना ने आभार प्रकट किया।

शिकायतों के निराकरण में केवल औपचारिकता नहीं बल्कि आवेदक की संतुष्टि भी आवश्यक है - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों की एक-एक कर विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से कारण पूछते हुए तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि आवेदक की संतुष्टि भी सुनिश्चित की जाए।

संकल्प से समाधान अभियान की योजनावार समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक नागरिकों के प्रकरणों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत निर्धारित तिथियों पर शिविर अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएं तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित रहें, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। नगरीय निकायों की प्रगति की समीक्षा के दौरान भैरूंदा के सीएमओ के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि वे गत टीएल बैठक में भी बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर पाए गए थे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बैठक एवं शिविरों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में अभी तक 71,251 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें 69,435 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

वनाधिकार पट्टों के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एफआरए के तहत कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तित करने की प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आवश्यक दस्तावेजी कार्यवाही, सीमांकन एवं अभिलेख अद्यतन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व ग्राम का दर्जा मिलने से ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। वन खण्डों के व्यवस्थापन की समीक्षा में भी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण लंबित न रखा जाए तथा सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की गौशालाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल, छायादार व्यवस्था एवं स्वास्थ्य परीक्षण की समुचित व्यवस्था होना अनिवार्य है। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि साफ-सफाई, पशुओं के उपचार, टीकाकरण एवं रख-रखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जहां भी कमियां पाई जाएं, वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

कलेक्टर ने बालिकाओं को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर से सुरक्षित रखने हेतु ॥क्क्ङ्क (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का प्रभावी रूप से संचालन करने के संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी लक्षित बालिकाओं का टीकाकरण सुनिचित किया जाये। कलेक्टर द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की गई कि वे 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की अपनी बालिकाओं को यह टीका अवश्य लगवाएं। वर्तमान में यह टीकाकरण पूर्णतः निःशुल्क किया जा रहा है, जबकि बाजार में इसकी अनुमानित कीमत लगभग 4000 रूपये है। जिले में जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में टीकाकरण किया जा रहा है।

रेलवे एवं नेशनल हाईवे परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया त्वरित गति से पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भू-अर्जन की कार्यवाही में तेजी लाना आवश्यक है। समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी परियोजनाएं जिले के विकास से सीधे तौर पर संबंधित हैं, इसलिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री जमील खान, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गौंड़ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। तहसील एवं जनपद स्तरीय अधिकारी विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

महिला पॉलीटेक्निक की छात्रा ने बढ़ाया जिले का गौरव. इंडिया स्किल रीजनल कॉम्पटीशन में प्राप्त किया

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केन्द्र शासन के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा गांधी नगर गुजरात में 15 से 18 फरवरी तक आयोजित की गई स्किल इंडिया रीजनल कॉम्पटीशन (वेस्टर्न रीजन) में मध्यप्रेदश का प्रतिनिधित्व करते हुए शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर की कम्प्यूटर साइंस की छात्रा एश्वर्या विश्वकर्मा ने मैडेलियन फॉर एक्सिलेंस अवॉर्ड प्राप्त कर जबलपुर और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह ने आज छात्रा एश्वर्या विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र व मेडल से सम्मानित किया। ऐश्वर्या विश्वकर्मा ने इस प्रतियोगिता में डेटाबेस कनेक्टिविटि के साथ अलग-अलग वेब एप्लीकेशन तैयार कर यह उपलब्धि हासिल की। एश्वर्या के मुताबिक उसकी इस उपलब्धि की यात्रा जिला स्तरीय प्रतियोगिता से प्रारंभ हुई। जिला स्तर पर चयनित होने के पश्चात उसे भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान, निर्धारित समयावधि में उसे ÷स्मार्ट सिटी÷ विषय पर एक एप्लीकेशन डिज़ाइन एवं विकसित करने का कार्य दिया गया। एश्वर्या ने इस समय सीमा के भीतर एक वेब एप्लीकेशन तैयार की, जिसमें स्थानीय पर्यटन स्थलों, निकटवर्ती अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों तथा उनसे संपर्क करने की समस्त आवश्यक जानकारी को सुव्यवस्थित रूप से सम्मिलित किया गया। एश्वर्या के अनुसार उसका उद्देश्य केवल एक तकनीकी प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना नहीं था, बल्कि ऐसा समाधान तैयार करना था जो वास्तविक जीवन में उपयोगी सिद्ध हो सके। उसके इस कार्य को सराहना मिली और स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसी उपलब्धि के आधार पर एश्वर्या को क्षेत्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। एश्वर्या के मुताबिक इंडिया स्किल्स की यह पूरी यात्रा उसके लिए केवल एक तकनीकी प्रतियोगिता नहीं थी, बल्कि यह आत्मविश्वास, धैर्य और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा थी। यह प्रतियोगिता उसके लिए एक ऐसा अवसर थी, जिसने उसे तकनीकी रूप से अधिक दक्ष और मानसिक रूप से अधिक परिपक्व बनाया। न्यू रामनगर आधारताल निवासी आशुतोष विश्वकर्मा एवं श्रीमती भारती विश्वकर्मा की सुपुत्री एश्वर्या को कक्षा नौवीं से ही प्रोग्रामिंग में विशेष रुचि रही है।

कलेक्टर श्री नारायन ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह, एसडीएम सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर व श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत श्री पी. राजौदिया, आयुक्त नगर निगम छिंदवाड़ा श्री सी. पी.राय सहित जिला प्रशासन व जिला मुख्यालय के अन्य अधिकारी, सभी विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला मुख्यालय के अतिरिक्त सभी एसडीएम एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल थे।

बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन, जनआकांक्षा, न्यायालयीन प्रकरणों तथा विभिन्न आयोगों के लंबित पत्रों की भी विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने सभी शिकायतों एवं पत्रों का समय सीमा के अंदर एवं शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निराकृत पत्रों के जवाब भी सभी संबंधित को प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया है।

फसल पंजीयन के संबंध में किसानों को करें जागरूक - कलेक्टर श्री नारायन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले की 88 सहकारी समितियों सहित कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र, साइबर कैफे तथा स्वयं के मोबाइल अथवा कम्प्यूटर के माध्यम से गेहूँ, चना, मसूर एवं सरसों फसलों का पंजीयन किया जा रहा है। गेहूँ फसल के पंजीयन की अंतिम तिथि 07 मार्च 2026 निर्धारित की गई है, जबकि चना एवं मसूर के लिए 16 मार्च तथा सरसों के लिए 20 मार्च 2026 अंतिम तिथि तय की गई है। इस संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए किसानों को जागरूक करें और उनका पंजीयन कराने में सहयोग करें। किसान भाई अभी पंजीयन जरूर करा लें, बाद में वे फसल बेचने के संबंध में निर्णय ले सकते हैं। कलेक्टर श्री नारायन ने जिले के समस्त गेहूँ, चना, मसूर एवं सरसों उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी फसल का पंजीयन जरूर कराएं। इस संबंध में उन्होंने फील्ड के अधिकारियों को और सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं।

सीएम हेल्पलाइन में स्थिति सुधारने के निर्देश - कलेक्टर श्री नारायन ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में गत माह की ग्रेडिंग में निचले ग्रेड और 80 प्रतिशत से कम स्कोर वाले विभागों पर नाराजगी जाहिर की और आगामी माह की ग्रेडिंग के लिए अभी से स्थिति सुधारने के निर्देश दिए।

खाद्य पदार्थों के विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही जारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त जांच दलों ने जिले के विभिन्न स्थानों पर मावा परिवहन तथा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान आईएसबीटी, शहपुरा बस स्टैण्ड तथा रेल्वे स्टेशन पर प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र की ओर से आने वाली बसों तथा ट्रेनों के पार्सल का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे के अनुसार निरीक्षण के दौरान कार्यपालिक दंडाधिकारी मौसमी केवट के नेतृत्व में शहपुरा स्थित कान्हा डेयरी पर फैट स्प्रेड का विक्रय कवर को हटाकर बटर के रूप में होना पाये जाने पर लगभग 10 किलोग्राम विनष्ट कराया गया। इसी प्रतिष्ठान पर मसालों के 20 एक्सपायर्ड पैकेट विनष्ट कराये गये। इसके अलावा तिलवारा स्थित नर्मदा डेयरी से मावा एवं पनीर, यादव कॉलोनी स्थित गुप्ता कैटरर्स से मावा और रजवाड़ी स्वीट्स, त्रिमूर्तिनगर स्थित मावा निर्माण इकाई कपिला डेयरी से मावा और पनीर, गोरखपुर स्थित केसरवानी स्वीट्स से नमकीन एवं पेडा, बीकानेर स्वीट्स से दूध बर्फी और नमकीन, सदर बाजार स्थित प्रेम स्वीट्स से मलाई कतली और नमकीन, राजभोग स्वीट्स से नमकीन और भाखरवडी तथा मालवीय चौक स्थित हीरा स्वीट्स से ड्राई कचौडी के नमूने परीक्षण हेतु लिये गये।

कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

विशाला भवन, भरतपुरी प्रशासनिक क्षेत्र, देवास रोड उज्जैन, 456010 सम्पर्क - 0734 2511048, फेक्स- 0734 2511047

// जाहिर सूचना संशोधन //

विज्ञप्ति क्र. 135/25 दिनांक 23.10.2025 को फ्री होल्ड की जाहिर सूचना में संत कबीर नगर में भवन क्र. 9/5 एमआईजी प्रकाशित हो गई है जबकि 3/5 प्रकाशित होना था।

अतः इसे भवन क्र. 3/5 पढा एवं समझा जावे। शेष जानकारी पुर्वानुसार यथावत रहेगी।

सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन

फरवरी माह के बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर कार्यालय परिसरों में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन आयोजित किया जाता है।

इसी क्रम में 01 मार्च 2026 को रविवार अवकाश होने के कारण आज 02 मार्च 2026 को कलेक्टर कार्यालय परिसर झाबुआ में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मां त्रिपुरा ऑफ नर्सिंग कॉलेज झाबुआ की छात्राओं के बैण्ड दल द्वारा वाद्ययंत्रों की मधुर संगति के साथ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना के साथ सुना।

कार्यक्रम के पश्चात कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जनवरी माह के बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ के रूप में कृतिम गर्भाधान उपकेन्द्र मकोडिया विकास खंड थांदला के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी श्री शुभम भगत एवं सचिव ग्राम पंचायत मूलथानीय जनपद पेटलवाद के श्री लक्ष्मीनारायण पटीदार को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने दोनों कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी कार्यनिष्ठा, समयबद्धता एवं ईमानदारी का प्रतीक है तथा अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगा। फरवरी माह में श्री शुभम भगत द्वारा आकांक्षी ब्लॉक में एफएमडी टीकाकरण में टारगेट 3416 के विरुद्ध उपलब्धि 3636 का 106% उपलब्धि हासिल की गई। इसके साथ अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्धता एवं सभी कार्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया गया।

इसी प्रकार श्री लक्ष्मीनारायण पटीदार द्वारा फरवरी माह में समग्र EKYC-93%, पेंशन EKYC-100%, पेंशन जीवन प्रमाण पत्र-100%, मनरेगा Job Card EKYC-93%, PM आवास पंजीयन -100%, स्वीकृत निर्माण कार्य समस्त 100% पूर्ण ष्टष्ट जारी। इसके साथ अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्धता एवं सभी कार्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया गया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ से सम्मानित किया गया।

दोनों सम्मानित कर्मचारियों ने कलेक्टर नेहा मीना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा वे भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, डिप्टी कलेक्टर सुश्री वैशाली सोलंकी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के तहत जिले में किया जा रहा मकानों का सूचीकरण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। हालांकि प्रथम चरण 01 मई से प्रारंभ होगा, जो 30 मई 2026 तक चलेगा, पर प्रथम चरण का कार्य अभी से ही प्रारंभ कर दिया है, ताकि कार्य को समय से पहले ही पूर्ण किया जा सके। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में संपन्न होना प्रस्तावित है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जो भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। आंकड़ों का संकलन मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही नागरिकों को स्वयं अपना डेटा भरने की सुविधा देने के लिए स्व-गणना वेब पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

जनगणना 2027 में खास बात यह है कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। जन गणना प्रक्रिया में नागरिक स्वयं स्व-गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। जनगणना के दौरान गणक के घर आने पर उन्हें यह जानकारी देनी होगी तब इस जानकारी को डिजिटल संकलित करेंगे। नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं जानकारी स्व-गणना पोर्टल पर भर सकेंगे।

मानसिक दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का हुआ आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 21 प्रकार की दिव्यांग पेंशन प्रतिमाह जारी की जाती है। झाबुआ में विगत वर्षों में मानसिक दिव्यांगजनों के लिए चिकित्सक उपलब्ध ना होने से मेडिकल बोर्ड द्वारा मानसिक दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे थे या उन्हें इंदौर रेफेर कर दिया जाता था। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना होता था एवं पेंशन भी स्वीकृत नहीं हो पाती थी।

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जनसुनवाई में समस्या सामने आने पर तत्काल कार्यवाही करते हुए बौद्धिक दिव्यांगजनों के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस बघेल को विशेष शिविर लगाने के लिए निर्देशित किया तथा उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सावले को जिले में बौद्धिक दिव्यांगजनों को चिन्हित कर सूची बनाकर प्रमाण पत्र बनवाकर पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए। डॉ. बीएस बघेल द्वारा संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवा इंदौर संभाग से पत्राचार कर धार जिले से डॉक्टर देवन उन्नी को जिला चिकित्सालय झाबुआ में ड्यूटी लगाई गई।

आज दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र झाबुआ (डीडीआरसी) तथा जिला अस्पताल सहित कुल 29 दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाए गए। इस शिविर में दिव्यांग क्षेत्र में कार्यरत संस्था आजाद दिव्यांग कल्याण संघ से श्री कमलेश राठौड़, ग्रामीण वनवासी संघ से श्री राजेंद्र श्रीवास्तव, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के पुनर्वास साइक्लोजिस्ट श्री निखिल शर्मा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत जिले की 94 बालिकाओं की लगाई गई एचपीवी की वैक्सीन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं का टीकाकरण किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि सीहोर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में भी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत बालिकाओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 02 मार्च को जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जिले की 94 बालिकाओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई गई। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे जानलेवा कैंसर है। इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा यह राष्ट्रव्यापी एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान आगामी तीन माह तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाएँ टीकाकरण के लिए पात्र होंगी। साथ ही, अभियान प्रारंभ होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष की होने वाली बालिकाएँ भी पात्र मानी जाएँगी। यह टीकाकरण पूर्णतः स्वैच्छिक है तथा अभिभावक की सहमति अनिवार्य होगी। निर्धारित अनुसार 0.5 मि.ली. की एकल खुराक इंट्रामस्कुलर इंजेक्शन के माध्यम से दी जाएगी। एचपीवी टीकाकरण केवल शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र, जिला अस्पताल और शासकीय मेडिकल कॉलेज जिनमें चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध हैं, में किया जायेगा। टीकाकरण के पश्चात बालिका को 30 मिनट तक अवलोकन में रखा जाएगा। अभियान अवधि के दौरान प्रतिदिन टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

गेहूं, चना, मसूर के ई-उपार्जन एवं सरसों भावांतर योजना में अधिक सेअधिक पंजीयन कराएं किसान

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में उप संचालक कृषि के.एस. खपेडिया द्वारा जिले के समस्त किसानों से अपील की गई है कि वे गेहूं, चना एवं मसूर के ई-उपार्जन तथा सरसों के लिए भावांतर योजना अंतर्गत अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराएं, ताकि शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ उन्हें समय पर प्राप्त हो सके। गेहूं पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च निर्धारित है, जबकि चना एवं मसूर के पंजीयन की अंतिम तिथि 16 मार्च है। भावांतर योजना अंतर्गत सरसों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 तय की गई है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि जिले का कोई भी पात्र किसान उपार्जन एवं भावांतर प्रक्रिया से वंचित न रहे। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में 113 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

सरसों भी बनी भावांतर योजना का हिस्सा, कृषि वर्ष 2026 में किसानों को मिली बड़ी सौगात

सरसों के भावांतर योजना में शामिल होने से खुश हैं सीहोर के सरसों उत्पादक किसान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने का निर्णय प्रदेश के किसानों के लिए नई उम्मीद और विश्वास लेकर आया है। सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी फसलों को उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। इसी क्रम में हाल ही में प्रदेश सरकार ने सरसों की फसल को भी भावांतर भुगतान योजना में शामिल करने का निर्णय लेकर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। इससे पहले सोयाबीन फसल पर भावांतर योजना का लाभ दिलाकर सरकार ने किसानों के हित संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया था, वहीं अब सरसों उत्पादक किसानों को भी इस योजना से जोड़ा जाना कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश सरकार के इस निर्णय से खासतौर पर रबी सीजन में सरसों की खेती करने वाले किसानों में उत्साह और संतोष का वातावरण देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें अक्सर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन भावांतर योजना के माध्यम से अब उन्हें न्यूनतम मूल्य की सुरक्षा मिल सकेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनगणना 2026 सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जनगणना की तैयारियों के तहत मकान मार्किंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए सभी तहसीलदारों एवं सीएमओ को अपने-अपने ब्लॉक्स बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा ब्लॉक तैयार होने के उपरांत प्रगणक एवं पर्यवेक्षक नियुक्त करने की कार्यवाही समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वन विभाग से संबंधित प्रकरणों एवं वनग्रामों में वनाधिकार के लंबित दावों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया। साथ ही भ्च्ट वैक्सीनेशन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अधिक से अधिक वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। संकल्प से समाधान 2.0 अभियान की समीक्षा में सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने मार्च माह में आयोजित होने वाले ब्लॉक लेवल शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा प्रत्येक शिविर में एक जिला अधिकारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। ई-विकास प्रणाली से खाद वितरण एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा कर इनमें तेजी लाने को कहा गया। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान पानी की टंकियों एवं कुओं का नियमित क्लोरिनेशन एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने, पूर्ण हो चुके कार्यों का हैंडओवर शीघ्र करने तथा सभी पेयजल कूपों को जाली से ढकने की कार्यवाही 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गौकाष्ठ आधारित होलिका उत्सव को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ होली पर्व मनाने को लेकर कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जिले में इस वर्ष होलिका दहन कार्यक्रमों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए गौकाष्ठ एवं उपलों के उपयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ एवं उपलों के उपयोग के लिए जन जागरूकता बढाई जाए तथा नागरिकों को प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, जल का संरक्षण करने एवं पशु-पक्षियों को हानि न पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि होली का पर्व सामाजिक एकता, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है, इसलिए सभी आयोजन शांति एवं गरिमा के साथ संपन्न कराए जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ और नगर पालिका सीएमओ को निर्देशित किया कि जिले में आयोजित होने वाले सभी सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। पंजीयन के दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारियों की जानकारी एवं संपर्क विवरण संकलित किए जाएं तथा मैदानी अमले द्वारा होलिका दहन स्थलों का भ्रमण कर गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित किया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिले में आयोजित गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन कार्यक्रमों का व्यवस्थित सूचीकरण किया जाए, ताकि राज्य शासन को जानकारी प्रेषित की जा सके। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने हेतु जिला मुख्यालय स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाली संस्थाओं को मुख्यमंत्री की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री जमील खान, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गौड़ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा 1 अजय पिता दर्शनलाल खत्री 2 यगनीत पिता अजय खत्री आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. सी 24 नगीना एस्टेट कालोनी पाण्डयाखेड़ी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 1 शांतिबाई उर्फ शांताबाई नागर पति छोटेलाल जी नागर 2 मनोहरलाल 3 रमेशचन्द्र 4 मोहनलाल पिता रतनलाल 5 वासुदेव 6 देवेन्द्र निवासी 69 कालिदास मार्ग डिपो के पास मक्सी रोड उज्जैन आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 586/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक 1 अजय पिता दर्शनलाल खत्री 2 यगनीत पिता अजय खत्री के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा कुन्ता पति राम सिंह आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 585/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक कुन्ता पति राम सिंग के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सुगन बाई पति मेहरबान सिंह आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 32 सर्वे 70/2 70/5 का भाग शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी लाखन पिता दिनेश मंडोर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 582/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सुगन बाई पति मेहरबान सिंह के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा भुली बाई पति जितेन्द्र जी आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 584/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक भुली बाई पति जितेन्द्र जी के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सविता बाई पति प्रकाश आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 85 सर्वे 70 व 71/1 का भाग श्रीनगर कालोनी शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी शीरीन पति स्व प्रकाश चौहान आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 583/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सविता बाई पति प्रकाश के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 02/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा सायर बाई पति गोविन्द आवेदन पत्र दिनांक 26/02/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू.क्र. 45 पश्चिम भाग सर्वे 65/4/11/1 शंकरपुर मक्सी उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पुष्पलता पति मनोहरलाल जी उपाध्याय आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 581/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सायर बाई पति गोविन्द के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05, मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रक्तदान पर वीआईपी दर्शन... ओंकारेश्वर की अनूठी पहल, महाकाल में इंतजार

ओंकारेश्वर में रक्तदाताओं को मिल रहा दोहरा पुण्य - उज्जैन के महाकाल में फिलहाल ऐसी व्यवस्था पर नहीं कोई पहल

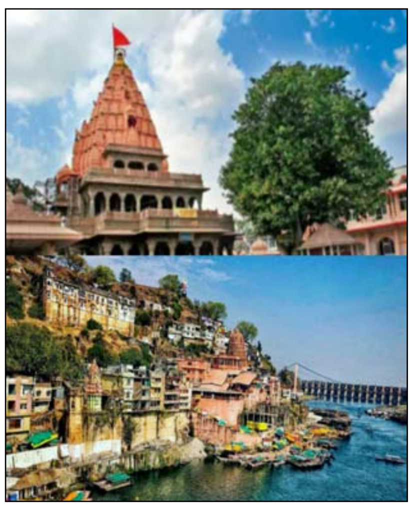

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रक्तदान जैसे पुनीत कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में जिला प्रशासन ने एक नई और अभिनव पहल शुरू की है। इस व्यवस्था के तहत जो श्रद्धालु रक्तदान करेंगे, उन्हें मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है। इस पहल को श्रद्धालुओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसे अब सप्ताह के सातों दिन लागू कर दिया गया है। फिलहाल महाकाल मंदिर में यह व्यवस्था शुरु होने का इंतजार है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार योजना की शुरुआत के पहले ही दिन 13 श्रद्धालुओं ने रक्तदान कर वीआईपी दर्शन का लाभ लिया। इसके बाद यह संख्या लगातार बढ़ती गई और अब तक 50 से अधिक श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। पहले स्टाफ की उपलब्धता कम होने के कारण यह सुविधा केवल मंगलवार और शनिवार को दी जा रही थी, लेकिन सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद इसे प्रतिदिन लागू कर दिया गया है। ओंकारेश्वर प्रशासन का मानना है कि इस पहल से न केवल रक्तदान को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि समाज में सेवा और श्रद्धा का संदेश भी मजबूत होगा। प्रशासन का दावा है कि इस तरह की व्यवस्था मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य किसी प्रमुख तीर्थस्थल पर भी अभी तक देखने को नहीं मिली है। इधर उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में इस तरह की किसी व्यवस्था की फिलहाल कोई पहल नहीं की गई है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रोटोकॉल या प्रभावशाली संपर्कों के माध्यम से दर्शन कर रहे हैं। यदि ओंकारेश्वर की तर्ज पर महाकाल में भी रक्तदान के बदले वीआईपी दर्शन की व्यवस्था लागू होती है, तो इससे रक्तदान जैसे जीवनदायी कार्य को व्यापक बढ़ावा मिल सकता है। महाकाल मंदिर समिति से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अभी ऐसी किसी योजना पर विचार नहीं किया जा रहा है। हालांकि सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं के बीच इस विषय को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि धार्मिक स्थलों को सामाजिक सरोकारों से जोडने के लिए ऐसी पहल आवश्यक है।

होली-रंगपंचमी से पहले पुलिस ने संभाला मैदान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली-रंगपंचमी पर कानून व्यवस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस मैदान संभाल चुकी है। पुलिस अधीक्षक खुद मैदान में दिखाई दे रहा है। थाना अनुभाग में फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। गुंडे बदमाशों के बाउंड और के साथ डोजियर फॉर्म भरवा जा रहे हैं।

3-4 मार्च को होली का पर्व मनाया जायेगा, वहीं 8 मार्च को रंगपंचमी की मस्ती छायेगी। रंगों के पर्व में कोई खलल ना पड़े इसको लेकर पुलिस मैदान संभाल चुकी है। थाना अनुभाग में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। आदतन गुंडे-बदमाशों को थाने पर तलब कर बाउंड ओवर के साथ डोजियर फार्म भरवाये जा रहे और अपराध नहीं करने की हिदायत दी जा रही है। इसी बीच रविवार शाम माधवनगर से नानाखेड़ा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा स्वयं शामिल हुए। इस दौरान असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश दिया गया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। त्यौहारों को शांति-सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाये। माधवनगर से नानाखेडा थाना क्षेत्र में निकले मार्च के साथ ही महाकाल क्षेत्र में डीएसपी भारतसिंह और विक्रमसिंह कनपुरिया के नेतृत्व में मार्च निकाला गया। जिसमें डॉग स्क्वॉड, आरएएफ के जवान और पुलिस बल मौजूद रहा।

नीलगंगा क्षेत्र में बदमाशों की परेड़- त्यौहारों से पहले बदमाशों को दी जा रही हिदायत और बाउंड ओवर के साथ डोजियर फार्म भरवाने के अभियान में नीलगंगा थाना पुलिस ने अपने क्षेत्र के आदतन बदमाशों की रविवार शाम परेड़ कराई। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बदमाशों को संदेश दिया कि अगर छोटा सा अपराध किया तो सख्त कार्रवाई कर सीधे जेल भेजा जायेगा।

किशोरी बालिकाओं में सर्वाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए निशुल्क एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किशोरी बालिकाओं में सर्वाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है। एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण अभियान 28 फरवरी 2026 से आरंभ होकर आगामी 03 माह तक चलेगा। अभियान अंतर्गत 14 वर्ष से 15 वर्ष तक की बालिकाओं को एचपीवी का निः शुल्क टीका लगाया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार इस अभियान में 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को 90 दिन की विशेष छूट दी गई है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया कि जिले में 13 स्थानों पर टीके निःशुल्क लगाये जा रहे है। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज उज्जैन, जिला चिकित्सालय चरक भवन उज्जैन, सिविल अस्पताल माधवनगर, सिविल अस्पताल जीवाजीगंज, सिविल अस्पताल महिदपुर, सिविल अस्पताल नागदा, सिविल अस्पताल खाचरौद, सिविल अस्पताल बडनगर के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घट्टिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झारडा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तराना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया में टीके निःशुल्क लगाये जा रहे है। एचपीवी निःशुल्क टीकाकरण अभियान अंतर्गत यूवीन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, अपार आईडी आदी।

युवक का अपहरण करने वालों को एक घंटे में किया गिरफ्तार

नाकाबंदी कर की गई थी घेराबंदी, चाकू के साथ कार जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती शाम पानी पतासी का ठेला लगाने वाले युवक का चार लोगों ने अपहरण कर लिया और 2 लाख की फिरौती मांगी। पुलिस ने चंद घंटे में मामले का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहरण में प्रयुक्त कार जप्त की है।

भिंड का रहने वाला विजयसिंह कुशवाहा कुछ सालों से ग्राम बालोदा लक्खा में निवास कर रहा है और सुंदराबाद फंटा पर पानी पतासी का ठेला लगाता है। रविवार देर शाम कार से आए चार युवकों ने मारपीट करते हुए विजयसिंह का अपहरण कर लिया। उन्होंने 2 लाख की फिरौती मांगी। युवक का अपहरण होने की जानकारी भाटपचलाना थाना पुलिस को मिली तो पुलिस ने तत्काल ही नाकाबंदी कर युवक को छुड़ाने का अभियान शुरू कर दिया। करीब 10 से 12 किलोमीटर के क्षेत्र में सर्चिंग करने के बाद पता चला कि कार बड़नगर की ओर गई है। पुलिस ने बडनगर का रुख किया और जस्सा खेड़ी पुलिया के पास कार की घेराबंदी कर ली। चार युवकों को हिरासत में लिया गया और विजय सिंह को मुक्त कराया। अपहरण करने वाले चारों युवकों को थाने लाया गया जहां उनके नाम प्रहलाद खेरवाल, राघवेंद्र कुशवाहा, सुनील सोलंकी और रंजीत डोडिया निवासी बड़नगर होना सामने आए। चारों के खिलाफ अपहरण और फिरौती मांगने के साथ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि विजयसिंह का बेटा कुछ समय पहले अपहरण में शामिल राघवेंद्र की बेटी को अपने साथ भगाकर ले गया था। जिसके चलते विजय सिंह और राघवेंद्र के बीच रंजिश हो गई थी। इस बात का बदला लेने के लिए अपहरण और फिरौती मांगने की बात को अंजाम दिया गया है। भाटपचलाना टीआई सत्येंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अपहरण के मामले का पर्दाफाश कुछ घंटे में ही कर लिया गया। युवक को छुड़ाने में एसआई कन्हैयालाल मचार, प्रधान आरक्षक परमिंदर यादव, शैलेंद्र सिंह सिसोदिया, आरक्षक सुंदरलाल भंवर, हितेश निंबोला, विजय जाट, सुनील चौधरी, मुकेश नागर और सैनिक अजय पाल सिंह की भूमिका रही है। आरोपियों से एक चाकू, कार जप्त किया गया है। चारों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

गुरुद्वारा गुरु नानक घाट पर आज सजेगा होला महल्ला....कीर्तन समागम के साथ होगा शौर्य प्रदर्शन

अमृतसर से हजूरी रागी और निहंग सिंह होंगे शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुद्वारा गुरु नानक घाट पर आज मंगलवार को होला महल्ला का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष कीर्तन समागम, पुष्प वर्षा और अमृतसर से आए निहंग सिखों द्वारा गतका (सिख मार्शल आर्ट) का प्रदर्शन होगा। आयोजन को लेकर सिख समाज में उत्साह का माहौल है।

गुरुद्वारा के प्रमुख बाबा त्रिलोचन सिंह सिंघजी सरपंच ने बताया कि संत बाबा कश्मीर सिंह , बाबा सुखविंदर सिंह तथा अमृतसर दरबार साहिब के प्रबंधक के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक विशेष कीर्तन समागम से होगी। इस दौरान भाई साहब भाई गुरदेव सिंह वेरका (हजूरी रागी, दरबार साहिब अमृतसर) और प्रमुख ग्रंथी सुरजीत सिंह जी कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। कीर्तन समागम के बाद दोपहर 12:30 बजे पुष्प वर्षा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक पंजाब से आए निहंग सिखों द्वारा गतका का रोमांचक प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सिख मार्शल आर्ट की परंपरागत युद्ध कला का प्रदर्शन होगा।

इकबाल सिंह गांधी ने बताया कि सिख धर्म में होला महल्ला एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पर्व है, जो सिखों की वीरता और संस्कृति से जुड़ा है। चरणजीत सिंह कालरा ने बताया कि 'होला महल्ला' का अर्थ है शक्ति और साहस का उत्सव। इसकी शुरुआत सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने की थी। उन्होंने सिखों को युद्ध कौशल सिखाकर अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। सिख समाज के संभागीय प्रवक्ता एस.एस. नारंग ने बताया कि होला महल्ला की परंपरा आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर शुरू हुई थी। गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा फौज को मजबूत और अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से कृत्रिम युद्ध अभ्यास की शुरुआत की थी। इसमें सिखों को दो दलों में बांटकर किला होलगढ़ की रक्षा और उस पर आक्रमण का अभ्यास कराया जाता था। यह आयोजन वीरता, अनुशासन और एकता का प्रतीक है।

प्रमुख ग्रंथी सुरजीत सिंह ने बताया कि आत्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव के लिए कीर्तन समागम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही पुष्प वर्षा और गतका प्रदर्शन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक और शौर्य दोनों का अनुभव होगा।

सिख समाज ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मल्हारगढ़- मंदसौर सेक्शन पर डबलिंग कार्य, 11 मार्च तक रेल यातायात प्रभावित

रतलाम से आगे नहीं जाएंगी उज्जैन- चित्तौड़गढ़ पैसेंजर ट्रेनें, कई गाड़ियां शॉर्ट टर्मिनेट व शॉर्ट ओरिजिनेट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत मल्हारगढ़- मंदसौर रेलखंड पर डबलिंग कार्य के चलते रेलवे ने ब्लॉक लिया है। इसके कारण इस मार्ग से गुजरने वाली कई यात्री ट्रेनें 11 मार्च तक प्रभावित रहेंगी। कुछ ट्रेनों को बीच मार्ग में ही समाप्त (शॉर्ट टर्मिनेट) किया जाएगा, जबकि कुछ का संचालन बदले हुए स्टेशन से शुरू (शॉर्ट ओरिजिनेट) होगा।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, उज्जैन से चित्तौड़गढ़ तक चलने वाली गाड़ी संख्या 69231 उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर 11 मार्च तक रतलाम स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यह ट्रेन रतलाम से आगे चित्तौड़गढ़ नहीं जाएगी। वहीं, 2 मार्च से 11 मार्च तक चित्तौड़गढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 69232 चित्तौड़गढ- उज्जैन पैसेंजर रतलाम स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। यह ट्रेन रतलाम से पहले के हिस्से में निरस्त रहेगी। इसी तरह उदयपुर सिटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 59836 उदयपुर सिटी-मंदसौर पैसेंजर 11 मार्च तक नीमच स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी। यह ट्रेन नीमच से मंदसौर के बीच संचालित नहीं होगी। मंदसौर से कोटा जाने वाली गाड़ी संख्या 59834 मंदसौर-कोटा पैसेंजर नीमच से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी और मंदसौर से नीमच के बीच निरस्त रहेगी। कोटा से चलने वाली गाड़ी संख्या 59833 कोटा-मंदसौर पैसेंजर भी 11 मार्च तक नीमच स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 59835 मंदसौर-उदयपुर सिटी पैसेंजर नीमच से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी और मंदसौर-नीमच के बीच रद्द रहेगी। इसके अलावा, कोटा से चलने वाली गाड़ी संख्या 19816 कोटा-मंदसौर एक्सप्रेस 11 मार्च 2026 तक नीमच स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 19815 मंदसौर-कोटा एक्सप्रेस नीमच से शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी और मंदसौर-नीमच के बीच निरस्त रहेगी।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले संबंधित ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके। डबलिंग कार्य पूर्ण होने के बाद ट्रेनों का संचालन पूर्ववत किया जाएगा।

जीरो वेस्ट और जीरो प्रदुषण थीम को ध्यान में रखकर सिंहस्थ का आयोजन हो- अपर मुख्य सचिव श्री दुबे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत प्रचलित एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में सिंहस्थ के अंतर्गत बनाए जाने वाले पार्किंग स्थलों के समीप सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था करने के लिए कार्ययोजना बनाए जाने के निर्देश दिए गए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि शौचालयों में न्यूनतम शुल्क लेकर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जाए। इसमें निजी क्षेत्र के अर्बन क्लेप, ग्रामीण क्षेत्र के स्वसहायता समूह और शहरी क्षेत्र के एसएचजी की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। सिंहस्थ के दौरान सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए इन्हें प्रशिक्षण दिलवाया जाए। साथ ही प्लंबर और इलेक्ट्रिशियन का भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। सिंहस्थ क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्ग एवं पार्किंग स्थल फाइनल करें।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने बैठक में कहा कि यह सिंहस्थ अन्य कुंभ मेलों से भिन्न होना चाहिए। इसमें कई प्रकार के नवाचार किए जाएं, ताकि शहर की आर्थिक प्रगति भी हो सके। सिंहस्थ का आयोजन जीरो वेस्ट और जीरो प्रदूषण की थीम को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए। सिंहस्थ के अंतर्गत जिन मार्गों का निर्माण किया जा रहा है, वहां की पेयजल की पाईपलाईन, सीवर लाईन के ऊपर होना चाहिए। सिंहस्थ प्रोजेक्ट के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

प्रदेश और देश के विभिन्न शहरों से आने वाले लोग एक सुखद अनुभव लेकर यहां से जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि सिंहस्थ के अंतर्गत अलग-अलग जोन बनाए जाएंगे, जिनमें विभिन्न सेक्टर बनाए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने बैठक में कहा कि सिंहस्थ के पूर्व उज्जैन में वन विभाग के अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। हर प्रमुख मार्ग/ केरिज वे में जो प्लांटेशन किया जाना है उसकी कार्ययोजना वन विभाग के अधिकारियों द्वारा बनाई जाएगी। प्रमुख मार्गों पर छायादार और फुलदार पौधों का रोपण किया जाए। पूरे पंचक्रोशी मार्ग में इस वर्ष वर्षा ऋतु के दौरान पौधारोपण किया जाना चाहिए। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग सिस्टम वेबसाईट के माध्यम से सिंहस्थ के अंतर्गत स्वीकृत और निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की।

सिंहस्थ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए -अपर मुख्य सचिव श्री दुबे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने सिंहस्थ 2028 के लिए चल रहे अधोसंरचना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। श्री दुबे ने इंदौर रोड पर नगर निगम द्वारा डी मार्ट के सामने निमार्णाधीन सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री दुबे ने निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी लेने के साथ ही निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे इसके बाद नानाखेड़ा क्षेत्र में विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित किए जा रहे नैवेद्य लोक का निरीक्षण किया। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने नैवेद्य लोक में निर्मित दुकानों, पार्किंग और नैवेद्य लोक में आने वाले लोगों की सुविधाओं के लिए किए गए कार्यों की जानकारी ली। श्री दुबे ने निर्देश दिए कि दुकानों का आवंटन होने के बाद यह ध्यान रखें कि आने-जाने वाले लोगों को परेशानी नही हो। दुकानदारों को सामान आदि रखने के लिए एक निश्चित जगह दी जाए। जिससे अन्य लोगों को परेशानी नही हो। यहां के बाद अपर मुख्य श्री संजय दुबे ने नगर निगम द्वारा शांति पैलेस चौराहे से नानाखेड़ा चौराहे तक निमार्णाधीन फोरलेन सड़क मार्ग का निरीक्षण किया।

महाकालेश्वर मंदिर में शाम आरती के बाद हुआ होलिका दहन

देर रात शहर में जगह जगह जली होली - कल से बदलेगा आरतियों का समय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार की शाम प्राचीन परंपरा अनुसार संध्या आरती के बाद होलिका दहन किया गया तथा आज मंगलवार को मंदिर में धुलंडी पर्व मनाया जाएगा। सांध्य आरती में सबसे पहले भगवान महाकाल को हर्बल गुलाल व परंपरानुसार शक्कर की माला अर्पित की गई। इसके उपरांत देर रात शहर में भी होलिका दहन हुए।

महाकाल मंदिर के पुजारी आशीष गुरु ने बताया कि सोमवार शाम होने वाली आरती के बाद महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में ओंकारेश्वर मंदिर के सामने होलिका के विधिवत पूजन-अर्चन के पश्चात होलिका दहन किया गया। वहीं आज 3 मार्च को धुलेंडी के दिन तडक़े 4 बजे भस्म आरती में सर्वप्रथम भगवान महाकालेश्वर को मंदिर के पुजारी एवं पुरोहितों द्वारा हर्बल गुलाल अर्पित किया जाएगा। इसी के साथ अगले दिन 4 मार्च से आरतियों का समय बदल जाएगा। इस दिन परंपरानुसार भगवान की आरतियों के समय में चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से अश्विन पूर्णिमा तक परिवर्तन रहेगा। जिसमें प्रथम भस्मार्ती सुबह 4 से 6 बजे तक, द्वितीय दद्योदक आरती सुबह 7 से 7:45 बजे तक, तृतीय भोग आरती सुबह 10 से 10:45 बजे तक, चतुर्थ संध्या पूजन सायं 5 से 5:45 बजे तक, पंचम संध्या आरती सायं 7 से 7:45 बजे व शयन आरती रात्रि 10:30 से 11 बजे तक होगी। वहीं 8 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर परंपरानुसार भगवान महाकाल का ध्वज चल समारोह निकाला जावेगा। शहर में देर रात 300 से ज्यादा स्थानों पर होली दहन के कार्यक्रम हुए। इसमें सिंहपुरी में परंपरागत 5 हजार कंडों की होली सजाई गई थी। होलिका की गोद में बैठे भक्त प्रहलाद भी नजर आ रहे थे।

सिंहस्थ से पहले ट्रैफिक सुधार की चुनौती, दिल्ली-मुंबई मॉडल से सीखना जरूरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में दिन-ब-दिन बिगड़ती यातायात व्यवस्था अब गंभीर चिंता का विषय बन गई है। सुबह-शाम जाम की समस्या आम हो चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में हालात ऐसे हो सकते हैं कि सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाए।

पुराने शहर की संकरी सड़कों पर रोजाना वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं। दिन हो या रात, ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण शहर में तेजी से बढ़ रहे वाहनों की संख्या है। करीब साढ़े पांच लाख की आबादी वाले शहर में हजारों मैजिक वाहन, ई-रिक्शा और ऑटो चल रहे हैं। इसके अलावा लाखों दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जबकि सड़कों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया है। यदि हर साल इसी तरह वाहनों की संख्या बढ़ती रही और सड़कें नहीं बढ़ीं, तो भविष्य में हालात और बिगड़ सकते हैं। शहर के मास्टर प्लान में ट्रैफिक प्रबंधन को प्राथमिकता देना अब समय की मांग बन गया है।

दिल्ली-मुंबई से लेनी होगी सीख- देश के बड़े महानगरों जैसे दिल्ली और मुंबई में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत बनाया गया है। वहां रेल, मेट्रो और बस सेवाओं को आपस में जोड़ा गया है, जिससे यात्री आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच सकते हैं। प्रमुख बस स्टॉप और रेलवे स्टेशनों को बेहतर कनेक्टिविटी दी गई है। मुंबई में कम दूरी का किराया बेहद कम है, जिससे आम लोग निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हैं। दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क ने यातायात का दबाव काफी हद तक कम किया है। वहां 'पार्क एंड राइड' जैसी व्यवस्था भी है, जिसमें लोग अपने निजी वाहन निर्धारित पार्किंग में खड़ा कर आगे की यात्रा सार्वजनिक साधनों से करते हैं।

शहर में सिटी बस की जरूरत- उज्जैन में सिटी बस सेवा शुरू करने की योजना लंबे समय से चर्चा में है, लेकिन अब तक इसे धरातल पर नहीं उतारा जा सका है। यदि सिटी बस सेवा शुरू हो और उसका नेटवर्क मजबूत बनाया जाए तो निजी वाहनों की संख्या में कमी लाई जा सकती है। साथ ही स्मार्ट सिग्नल, आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और बेहतर पार्किंग व्यवस्था पर भी काम करने की जरूरत है। ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जरूरी है।

लोगों को भी बदलनी होगी सोच- शहर में अभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग मजबूरी में किया जाता है, जबकि इसे प्राथमिकता बनाना होगा। जब तक लोग निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं करेंगे, तब तक सड़कों से जाम की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकती।

विशेषज्ञों का मानना है कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन से पहले ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारना बेहद जरूरी है। यदि अभी से योजना बनाकर अमल शुरू किया जाए तो शहर को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

सड़क चौड़ीकरण में देरी पर कलेक्टर सख्त, ठेकेदार को ब्लैकलिस्टिंग की चेतावनी

ढाबा रोड सवारी मार्ग का काम बारिश से पहले खत्म करने की हिदायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है। रविवार शाम कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने केडी गेट से खजूर वाली मस्जिद मार्ग तक चल रहे चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। मौके पर काम की गति अपेक्षा से धीमी मिलने पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार को स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समयसीमा में कार्य पूरा नहीं हुआ तो ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विशेष रूप से पोल शिफ्टिंग के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण का काम नागरिकों की सुविधा के लिए किया जा रहा है, ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी बाधाओं को तुरंत दूर कर काम को गति दी जाए।

इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने ढाबा रोड सवारी मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बारिश शुरू होने से पहले यह कार्य हर हाल में पूरा होना चाहिए, ताकि बरसात में आम लोगों को परेशानी न उठानी पड़े। निर्माण एजेंसी को कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए तेजी से काम करने को कहा गया।

निरीक्षण के अगले चरण में कलेक्टर रीगल टॉकीज क्षेत्र पहुंचे, जहां निर्माण कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने बताया कि पुराने भवन को तोड़ने (डिस्मेंटल) का काम पूरा हो चुका है और वर्तमान में खुदाई का कार्य जारी है। कलेक्टर ने निर्माण की प्रगति की जानकारी लेकर कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा, ताकि शहर के विकास कार्य तय समय पर पूरे हो सकें।